मार्गशीर्ष कृष्णा - 6 | संवत 2080 | वर्ष - 11 | अंक - 128 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » रविवार » 03-12-2023 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 चोट के कारण विश्व कप से बाहर होने से निराश था: अक्षर पटेल

6 दुश्मन को रोकने के लिए अडिग चट्टान बन गए 'हनुमान भक्त' जदुनाथ सिंह

7 ठंड आने के साथ ही रूस के साथ युद्ध नए चरण में है : जेलेंस्की

अनुसंधान और नवोन्मेषण को साझा कर निपटें चुनौतियों से : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अनुसंधान और नवोन्मेषण को विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए शनिवार को कहा कि इन्हें एक-दूसरे के साथ साझा कर दुनिया भर की चुनौतियों का सामना किया जा सकता है।

राष्ट्रपति ने आज महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के 111 वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अनुसंधान और नवोन्मेषण किसी भी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवोन्मेषण और प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा 60 से अधिक पेटेंट प्रदान किए गए हैं। छात्रों के बीच स्टार्ट-अप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय में एक इन्क्यूबेशन सेंटर है। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से स्थानीय समस्याओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान और नवोन्मेषण करने तथा उन नवोन्मेषणों को लागू करने का भी आग्रह किया।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि पूरा विश्व एक वैश्विक गांव है और आज कोई भी संस्था दुनिया से कटी नहीं रह सकती। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से अंतर-विषयक अध्ययन और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अनुसंधान और नवोन्मेषण को एक-दूसरे के साथ साझा करके ही हम दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

प्रौद्योगिकी के उपयोग की चर्चा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, किसी भी संसाधन का उपयोग या दुरुपयोग किया जा सकता है।

फर्स्ट टेक

बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया

ढाका/एपी। बांग्लादेश में शनिवार सुबह 5.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके पूरे देश में महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी तरह के नुकसान या किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने कहा कि बांग्लादेश में सुबह 9:35 बजे 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश के लक्ष्मीपुर जिले में रामगंज के निकट 10 किलोमीटर की गहराई में था। बांग्लादेश के कई लोगों ने फेसबुक पर लिखा कि भूकंप के कारण राजधानी ढाका और अन्य जगहों पर इमारतें हिलने से वे डर गए। देश में इस साल कई भूकंप आए हैं, जिनमें अगस्त में पूर्वोत्तर भारत की सीमा के पास आया भूकंप भी शामिल है।

इजराइल के साथ युद्ध : गाजा में मरने वालों की संख्या 15,200 से अधिक हुई- स्वास्थ्य मंत्रालय

खान यूनिस/एपी। हमास शासित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइल के साथ युद्ध में गाजा में मरने वालों की संख्या 15,200 से अधिक हो गई है, जिनमें 70 फीसदी महिलाएं और बच्चे हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किद्रा ने शनिवार को आंकड़े जारी किये। मंत्रालय द्वारा जारी किये गये पिछले आंकड़े में मृतकों की संख्या 13,300 से अधिक बताई गई थी। मंत्रालय ने मृतकों के आंकड़े में आम नागरिकों और लड़ाकों की संख्या अलग-अलग नहीं बताई है।

मणिपुर में शांति, सामान्य स्थिति का नया अध्याय शुरू: बीरेन सिंह

इम्फाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि केंद्र और राज्य के सबसे पुराने उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के बीच हाल में शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद राज्य में शांति व सामान्य स्थिति की शुरुआत का एक नया अध्याय शुरू हो गया है। बुधवार को नई दिल्ली में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके साथ ही छह दशक लंबे सशस्त्र संघर्ष का अंत हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं सचमुच में खुश हूं...मणिपुर में शांति और एकता की शुरुआत करने का एक नया अध्याय शुरू हुआ है।'' सिंह ने कहा कि राज्य में दशकों से जारी रहे उग्रवाद में नागरिकों, विद्रोहियों और पुलिसकर्मियों की जान गई है। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक व्यक्ति का जीवन, चाहे वह विद्रोही, नागरिक या पुलिसकर्मी हो, बेशकीमती है।'' उन्होंने कहा कि यूएनएलएफ के साथ शांति समझौते की प्रक्रिया तीन साल पहले शुरू हुई थी।

लद्दाख में आठ घंटे के भीतर दो बार भूकंप आया

लेह/भाषा। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में शनिवार को आठ घंटे के भीतर दो बार कम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पहली बार भूकंप सुबह आठ बजकर 25 मिनट पर आया, जिसकी तीव्रता 3.4 मापी गई। इसका केंद्र सतह से 10 किमी नीचे 35.44 डिग्री अक्षांश और 77.36 डिग्री देशांतर में था। जबकि, दूसरी बार भूकंप शाम चार बजकर 29 मिनट पर आया। इसकी तीव्रता 3.7 थीं और केंद्र सतह से पांच किलोमीटर की गहराई पर 35.23 अक्षांश और 77.59 डिग्री देशांतर में था। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश में कहीं से किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

तमिलनाडु में भारी वर्षा के आसार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तटीय राज्यों में खाड़ी के ऊपर बन रहा दबाव चक्रवाती तूफान में तब्दील होने के आसार है। जिससे उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी वर्षा का अनुमान है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी।

तमिलनाडु सरकार ने 12 जिलों के अधिकारियों को चक्रवात के कारण होने वाली वर्षा के मद्देनज़र निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाने सहित सभी एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने 12 जिलों के कलेक्टरों के साथ चक्रवात तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्य सचिवालय से वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को सभी निवारक उपाय करने का भी निर्देश दिये। इसके अलावा, उन्होंने सभी राहत शिविरों में भोजन, सुरक्षित पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया है।

स्टालिन ने अधिकारियों को चेन्नई शहर, उपनगरों और अन्य क्षेत्रों में जल जमाव वाले क्षेत्रों की पहचान करने और अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाने का आदेश दिया। मौसम विभाग ने रविवार से दो दिनों के लिए चेन्नई और पड़ोसी जिलों चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर और अन्य जिलों सहित उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी बारिश की चेतावनी दी है।

आज आएंगे चार राज्यों के विस चुनावों के नतीजे

■ मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर है जबकि तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को अपनी सत्ता बचाने के लिए कांग्रेस से संघर्ष करना पड़ सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। वर्ष 2024 में दिल्ली की गद्दी के लिए होने वाले चुनाव से पहले सत्ता का सेमीफाइनल कौन जीतेगा , चार राज्यों के विधानसभा चुनाव का फाइनल स्कोर क्या रहेगा , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अगले लोकसभा चुनाव से पहले गुड न्यूज मिलेगी या कांग्रेस नेता राहुल गांधी चौका लगाएंगे , मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान में अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल अपनी सरकार बचा पाएंगे या नहीं। इन सारे सवालों के जवाब मिलने में अब चंद घंटे बाकी हैं।

रविवार सुबह सात बजे से मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में शुरू होगी वोटों की गिनती। सबसे पहले बैलेट वोट गिने जाएंगे, सुबह आठ बजे से आने लगेगा चार राज्यों से नतीजों की शुरुआती रुझान।

मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर है जबकि तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को अपनी सत्ता बचाने के लिए कांग्रेस से संघर्ष करना पड़ सकता है।

मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में नई सरकार बनने वाली है। इन पांच राज्यों की 675 विधानसभा सीटों के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। रविवार को सिर्फ चार राज्यों के 635 सीटों पर ही वोटों की गिनती होगी। मिजोरम के उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला अब चार दिसंबर को होगा।

राजस्थान में विधानसभा की 200 सीटें हैं, मगर वहां कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के बाद 199 सीटों पर ही मतदान हुआ। एग्जिट पोल के नतीजों के अनुसार, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला है, जबकि राजस्थान में भाजपा का पलड़ा भारी है।

हिंदी प्रदेश के तीन राज्यों में 519 सीटों पर फैसला होना है। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, 119 विधानसभा वाली तेलंगाना में कांग्रेस ने बढ़त ली है। निर्वाचन आयोग मतगणना की तैयारियां पूरी कर चुका है। वोटों की गिनती रविवार सुबह सात बजे शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट गिने जाएंगे। इसके बाद सभी पार्टियों के प्रतिनिधियों के सामने ईवीएम से मतगणना शुरू होगी।

दिल्ली आबकारी नीति मामले में

ईडी ने संजय सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत एक स्थानीय अदालत में आरोपपत्र दायर किया।

यह इस मामले में पूरक आरोप पत्र है क्योंकि एजेंसी पहले ऐसी लगभग पांच अभियोजन शिकायतें दायर कर चुकी है।

ईडी ने 'आप' के राज्यसभा सदस्य सिंह को इस मामले में अक्टूबर में गिरफ्तार किया था।

धनशोधन रोधी एजेंसी ने आरोप लगाया था कि आरोपी कारोबारी दिनेश अरोड़ा ने राज्यसभा सदस्य के आवास पर दो किस्तों में दो करोड़ रुपये नकद पहुंचाए थे। सिंह ने इस दावे का खंडन किया है।

मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दुबई में सीओपी28 शिखर सम्मेलन के इतर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से मुलाकात की। उन्होंने द्विपक्षीय साझेदारी और तेल समृद्ध देश में भारतीय समुदाय के कल्याण पर चर्चा की।

उमेश पाल हत्याकांड मामले में फरार गुड्डू मुस्लिम का मकान कुर्क

प्रयागराज/भाषा। उमेश पाल हत्याकांड में शामिल पांच लाख रुपये के इनामी अभियुक्त गुड्डू मुस्लिम के चकिया स्थित मकान को शनिवार को पुलिस ने कुर्क कर लिया । पुलिस ने इसकी जानकारी दी। चकिया में गुड्डू मुस्लिम के मकान पर कुर्की की कार्रवाई के बाद धूमनगंज में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) वरुण कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि हत्याकांड में वांछित अभियुक्त गुड्डू मुस्लिम के चकिया स्थित मकान की आज कुर्की की कार्रवाई की गई।

तेजी से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। यह बात जीडीपी के ताजा आंकड़ों से साफ है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक वृद्धि को सर्व-समावेशी बनाने के लिए कदम उठाए हैं।

शाह ने 'माटी कला महोत्सव' को संबोधित करते हुए कहा कि खादी क्षेत्र के कारोबार में तीन गुना वृद्धि का मतलब बहुत बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल के साथ सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बढ़ते आंकड़े अधिक मानवीय हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की बदौलत खादी लोगों के लिए स्वतंत्रता आंदोलन की तुलना में और अधिक आकर्षक बन गई है।

शाह ने कहा, 'भारत के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों ने यह संकेत दिया कि हम दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बने हुए हैं। मोदीजी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है। हमारी अर्थव्यवस्था पहले 11वें स्थान पर थी, और अब 5वें स्थान पर है। साथ ही मोदीजी ने अर्थव्यवस्था को सर्व-समावेशी बनाने के लिए कदम उठाए हैं।'

बृहस्पतिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी।

शाह ने कहा, 'खादी बिक्री में तीन गुना वृद्धि का मतलब है कि लाखों-करोड़ों लोगों के लिए नौकरियां पैदा करना। जब आप उन्हें नौकरी देते हैं, उन्हें आत्मनिर्भर बनाते हैं, उनके घरों में खुशियां फैलाते हैं, तो जीडीपी के बढ़ते आंकड़े मानवीय बन जाते हैं। इन उपायों से जीडीपी तो बढ़ती है, लेकिन इनसे करोड़ों लोगों में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और खुशी भी आती है।' उन्होंने कहा कि मोदी ने न केवल खादी के विचार को पुनर्जीवित किया बल्कि इसे आम लोगों के बीच और अधिक लोकप्रिय बनाया।

शाह ने कहा, 'मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' के नारे को स्वदेशी और रोजगार से जोड़ने का काम किया। उनके दृढ़ संकल्प से कमजोर हुआ खादी का आंदोलन आज नए आयाम छू रहा है।'

सूर्यास्त 03-12-2023 5:40 बजे	सूर्योदय 04-12-2023 6:16 बजे
BSE 67,481.19 (+492.75)	NSE 20,267.90 (+134.75)
सोना 6,565 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 83,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जीता जो सिकंदर

परिवर्तित परिणात हुए तो,
रहे पराजित मन मसोस कर।
यह चुनाव का अविचल रथ जो,
लोकतंत्र चले निरंतर।
अंतर चाहे न्यून भले पर,
जो जीते वो बने सिकंदर।
काम करेंगे नहीं अगर जो,
हो जाएंगे वे छूमंतर।।

22वीं पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धासुमन

स्वर्गवास 03.12.2001

स्व. गेरीबाई घेवरचन्दजी भंडारी, सायला निवासी

आपका स्मरण करते हैं, मानो अभी कल की ही बात है,
वो प्यार, वो दुलार, वो आचरण, वो संस्कार।
जो आपने हमें दिए वह आज भी हमारे मानस पटल पर छाए हैं,
आपके आशीर्वाद से ही दिन की शुरुआत होती है और
आपको नमन कर ही सांझ की ज्योत जलती है।
'22वीं पुण्यतिथि' प्रसंग पर करते हैं सादर श्रद्धार्पण

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु ✦ अशोक-मीना, प्रवीण-डिम्पल, रमेश-रेखा, विमल-कविता, आनन्द-कीर्ति
पौत्र-पौत्रवधु ✦ रितेश-निकिता, ऋषभ-स्वीटी, अजितेश-अरुणा, रोहन-शेखा
पौत्र-पौत्रिया ✦ राशि, पलक, वंश, साक्षी, अनन्या, कश्वी
पड़पौत्री ✦ नियती, मोक्षा पड़पौत्र ✦ दिवीत, चहित, आर्य
एवं समस्त भण्डारी परिवार, सायला (बेंगलूर)
पुत्री-दामाद ✦ सुशीला-जुठमलजी सेठ , पुत्री-दामाद ✦ भाग्यश्री-राजेशजी जैन, दोहिता : स्पर्श जैन
पौत्री-दामाद ✦ ईशा-राहुलजी सालेचा, रुचिका-चेतनजी सुराणा
परदोहित्री-दोहित्र ✦ ख्याति, जियाना, दिव्यम दोहिता-वधु ✦ अभिषेक-गुणवंती सेठ,
परदोहिता/परदोहित्री ✦ मलंक, निर्वी सेठ दोहित्री-दामाद ✦ रसना-सिद्धार्थजी छाजेड़,
पड़दौहित्री-पडदौहित्रा ✦ प्रिशी, समवित छाजेड़ दोहित्री-दामाद ✦ कृति- अविजी भंडारी

फर्म ■ GAYATRI INDUSTRIES ■ MARUDHAR ENTERPRISES (INDIA), Bangalore

सहज स्मृति योग

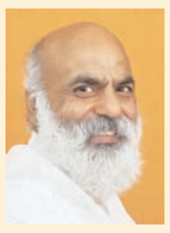

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, मान लो आप इसी क्षण देह छोड़ रहे हों तो आपके अंतिम शब्द अपने लिए क्या होंगे और हम सब के लिए क्या होंगे?

उत्तर: अपने लिए कोई शब्द नहीं होंगे वह अवस्था होगी जो है। यह वह अवस्था है जिसमें मैं हूँ और जो मुझमें है। और, इन तीनों में कोई अंतर नहीं है। आप के अपने सबके लिए भी वही/ यही अवस्था यथार्थ हो इसका संकेत करने के लिए अंतिम शब्द युग्म होगा विवेक-ख्याति। वही प्रथम शब्द भी होता और वही मध्य में भी है। अवस्थाएँ भिन्न होतीं हैं किंतु उन सबको किसी एक ही नाम से बोध या स्मरण या श्रवण में स्थापित किया जाय तो वह शब्द विवेक ही है। अलौकिक विवेक ही लौकिक और पारलौकिक विशेषण धारण करता है। इसलिए सबको सब अवस्थाओं में उसे ही धारण करना चाहिए। इसी क्षण नहीं तो किसी और क्षण सही, पर देह छूटने की घटना तो सबके साथ क्षणभर में ही घटती है किंतु देह का सृजन और विसर्जन तो सतत चलने वाली प्रक्रिया है इसलिए उस पर न तो आवश्यकता से कम और, ना ही आवश्यकता से अधिक ध्यान देना चाहिए। ध्यान उसी पर रखें जिस पर रखना आवश्यक है।

अमित शाह ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जूनागढ़/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने यहां गुजरात के पूर्व मंत्री दिवंगत दिव्यकांत नानावती की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, सोमनाथ शरणम प्रपद्ये। श्री सोमनाथ मंदिर शाश्वत सनातन संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। आज प्रथम ज्योतिर्लिंग श्री सोमनाथ महादेव का दर्शन-पूजन कर सभी के कल्याण की प्रार्थना की। महादेव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। इसके बाद शाह यहां नानावती की जन्मशती के अवसर पर आयोजित समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने उन पर लिखे गए लेखों के संकलन का विमोचन किया। शाह ने 1950 के दशक में जूनागढ़ में एक पार्षद और स्थानीय नगर निकाय के अध्यक्ष के रूप में तथा जूनागढ़ से दो बार-1962 में और फिर 1972 में विधानसभा के निर्वाचित सदस्य के रूप में नानावती के योगदान के लिए उनकी सराहना की। दिवंगत नानावती कांग्रेस विधायक थे, जो चिमनभाई पटेल के नेतृत्व वाली सरकार में कानून, नगर निकाय, नगर नियोजन और शहरी विकास मामलों के कैबिनेट मंत्री रहे। शाह ने कहा कि नानावती ने न केवल जूनागढ़, बल्कि गुजरात के लिए भी कई योगदान दिए। गृह मंत्री ने नानावती के बेटे और उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता निरुपम नानावती का भी उल्लेख किया, जिन्होंने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मामले में जेल जाने पर शाह के वकील के रूप में भी काम किया था।

शाह ने 2010 की घटना को याद किया, जब उन्हें सोहराबुद्दीन शेख कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में जांच एजेंसी ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के वकील नानावती कांग्रेस पार्टी से जुड़े होने के बावजूद उनके साथ खड़े रहे और मुकदमा जीतने में उनकी मदद की। शाह ने याद किया कि कुछ अन्य लोगों की तरह, वह नानावती को अपना वकील बनाने को लेकर संशय में थे, लेकिन उन्होंने उनका मुकदमा लड़ा और जीतने में उनकी मदद की।

मराठी साइनबोर्ड: पुणे में दुकानों को नुकसान पहुंचाने पर मनसे कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे में मराठी साइनबोर्ड न होने को लेकर कई दुकानों में कथित तौर पर तोड़फोड़ करने के मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की शहरी इकाई के अध्यक्ष और पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मनसे ने शुक्रवार को पुणे शहर के तिलक रोड और जे एम रोड सहित विभिन्न हिस्सों में कई दुकानों पर मराठी में साइनबोर्ड नहीं होने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर भी दिखा। आरोप है कि राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पथराव किया और बहुराष्ट्रीय ब्रांड का सामान बेचने वाली दुकानों सहित कई दुकानों के अंग्रेजी साइनबोर्ड तोड़ दिए। अधिकारी ने बताया कि पार्टी की शहरी इकाई के अध्यक्ष साईनाथ सहित नौ लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 143 (गैरकानूनी सभा) और मुंबई पुलिस अधिनियम के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पंजाब: संगरूर में स्कूल के भोजनालय में खाने से छात्र बीमार, ठेकेदार गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के संगरूर जिले के एक सरकारी स्कूल के 18 छात्रों को छात्रावास के भोजनालय में खाना खाने से पेट दर्द और उल्टी की शिकायत करने के बाद अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

राज्य के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि खाना उपलब्ध कराने वाले ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) द्वारा जांच का आदेश दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि घाबदान के सरकारी स्कूल के 18 छात्रों को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के बाद शुक्रवार शाम को सरकारी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों को संदेह है कि यह भोजन विषाक्तता का मामला है। संगरूर के उपायुक्त जितेंदर जोरवाल ने शनिवार को कहा कि 18 छात्रों को सरकारी अस्पताल लाया गया था जिनमें से 14 को छुट्टी दे दी गई है।

मौजूदा दशक के अंत तक भारत की ऊर्जा जरूरतें दोगुनी हो जाएंगी: मुकेश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी ने शनिवार को कहा कि आर्थिक वृद्धि में अभूतपूर्व तेजी के साथ देश की ऊर्जा जरूरतें मौजूदा दशक के अंत तक दोगुनी हो जाएंगी। गौरतलब है कि भारत वर्तमान में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है।

अंबानी ने पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय (पीडीईयू) के दीक्षांत समारोह में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2047 तक मौजूदा 3,500 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 40,000 अरब अमेरिकी डॉलर की हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'इस वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए देश को भारी मात्रा में ऊर्जा की जरूरत होगी - स्वच्छ, हरित ऊर्जा जो मानव प्रगति के लिए प्रकृति मां का गला नहीं घोटेगी।' उन्होंने कहा, ' वास्तव में इस दशक के अंत तक भारत की ऊर्जा जरूरत दोगुनी हो जाएगी।' अंबानी पेट्रोलियम की प्रधानता वाले अपने समूह को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ रहे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। उन्होंने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अगले 25 वर्षों में भारत अभूतपूर्व आर्थिक वृद्धि का गवाह बनेगा और स्वच्छ, हरित एवं टिकाऊ भविष्य के सपने को वास्तविकता में बदलना एक कठिन लेकिन महत्वपूर्ण काम है।

पंजाब के दो पूर्व मंत्रियों से जुड़े परिसरों में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वन विभाग में घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पंजाब के दो पूर्व वन मंत्रियों एवं कांग्रेस नेताओं साधु सिंह धर्मसोत और संगत सिंह गिलजियां तथा अन्य से जुड़े परिसरों में छापे मारे और 'आपत्तिजनक' दस्तावेज, मोबाइल फोन तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किये। संघीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि उसकी जांच राज्य वन विभाग में पेड़ों की कटाई के वास्ते मंजूरी देने और विभाग में तबादले-पदस्थापना के लिए रिश्वत लेने तथा कुछ अन्य आरोपों से संबंधित है।

ईडी ने कहा कि 30 नवंबर को धर्मसोत, गिलजियां, उनके सहयोगियों, वन विभाग के अधिकारियों और कुछ अन्य व्यक्तियों के पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में स्थित आवासीय परिसरों में छापेमारी की गई। धर्मसोत (63) पांच बार विधायक रह चुके हैं और उन्हें आय से अधिक संपत्ति के कथित मामले में पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया था। गिलजियां होशियारपुर जिले की उर्मर सीट से विधायक रह चुके हैं। एजेंसी ने कहा कि धनशोधन का मामला धनशोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था। ईडी ने कहा कि छापेमारी के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, मोबाइल फोन और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।

मुंबई : ईडी ने ऑक्सीजन संयंत्र धोखाधड़ी के संबंध में धन शोधन का मामला दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान अस्पतालों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने में कथित धोखाधड़ी के संबंध में धन शोधन का एक मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 24 नवंबर को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को छह करोड़ रुपये की चपत लगाने के आरोप में मैसर्स हाईवे कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठेकेदार रोमिल छेदा को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को धोखाधड़ी के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि रोमिल को बीएमसी द्वारा संचालित नौ अस्पतालों और दो वृहद कोविड-19 केंद्रों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने का ठेका दिया गया था जबकि उसके पास इस तरह के काम का कथित रूप से पूर्व अनुभव नहीं था। ईओडब्ल्यू के अनुसार, भायखला में स्थित नगरपालिका कार्यशाला और नगर निगम द्वारा संचालित अस्पतालों वीएन देसाई, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर, जीटीबी, कस्तूरबा, बीवाईएल नायर, आर.एन. कूपर, के. बी. भाभा, के.ई. एम और एटीएमजी सायन के परिसर में ऑक्सीजन संयंत्रों में अप्रैल 2021 और जनवरी 2022 के बीच यह धोखाधड़ी हुई।

अधिकारी ने बताया कि शुरुतआती जांच में यह सामने आया कि नगर निगम के संबंधित अधिकारियों ने अनुबंध देते समय पात्रता नियमों की अनदेखी की और ऑक्सीजन संयंत्र निर्धारित समय सीमा के भीतर स्थापित नहीं किए गए, जिसकी वजह से बीएमसी को छह करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

'बच्ची के अपहरण के मामले में मुख्य आरोपी पुलिस हिरासत में'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पल्लक्कड़ (केरल)/भाषा। केरल में इस सप्ताह की शुरुआत में एक बच्ची को अगवा किए जाने के मामले में केरल पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

इस हफ्ते की शुरुआत में छह वर्षीय लड़की अपने भाई के साथ ट्यूशन से घर लौट रही थी तभी उसका अपहरण कर लिया गया था। अगले दिन वह कोल्लम जिले में एक मैदान में मिली थी।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोपियों के पकड़े जाने की पुष्टि की और यहां कहा कि जांच में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और मुख्य आरोपी पुलिस हिरासत में हैं। विजयन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मुख्य आरोपी पुलिस हिरासत में हैं। पुलिस विस्तार से जानकारी देगी।'' मुख्यमंत्री और पुलिस ने हालांकि आरोपियों के बारे में ज्यादा विवरण नहीं दिया लेकिन मीडिया में आई खबरों में कहा गया कि आरोपियों में एक स्थानीय दंपति और उनकी बेटी शामिल हैं। विजयन ने आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस बल की सराहना की। उन्होंने कहा कि मामले में पुलिस ने बेहतरीन जांच की जिससे कम समय में ही आरोपियों को हिरासत में लेने में मदद मिली। मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के संबंध में पुलिस की आलोचना करने के लिए विपक्षी दल कांग्रेस की भी आलोचना की।

टाटा पावर ने बीकानेर-नमीराना पारेषण परियोजना का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली/भाषा। टाटा पावर ने बीकानेर-नीमराना पारिषण परियोजना का अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने शनिवार को कहा कि बीकानेर-तीन नीमराना-दो ट्रांसमिशन लि. परियोजना विशेष उद्देश्यीय इकाई (एसपीवी) है। इस इकाई का गठन पीएफसी कंसल्टिंग ने किया है। टाटा पावर ने एक बयान में कहा है कि कंपनी ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा पारेषण ढांचा को बढ़ावा देने के लिये बीकानेर-नीमराना पारेषण परियोजना का अधिग्रहण किया है। बिजली मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में सफल बोली लगाने के बाद कंपनी को आशय पत्र प्राप्त हुआ। यह परियोजना बनाओ, अपनाओ, चलाओ-सौंप दो (बीओओओ) आधार पर विकसित की जाएगी। इससे राजस्थान में बीकानेर परिसर से 7,700 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का पारेषण हो सकेगा। इस परियोजना में बीकानेर-तीन पूलिंग स्टेशन से नीमराना दो सबस्टेशन तक 340 किलोमीटर लंबे ट्रांसमिशन गलियारे की स्थापना शामिल है। टाटा पावर 35 साल तक ट्रांसमिशन परियोजना का रखरखाव करेगी।

मोदी सरकार ने रेलवे को बर्बाद करने में कसर नहीं छोड़ी: रेलवे के प्रदर्शन पर खरगे ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को रेलवे की नवीनतम प्रदर्शन रिपोर्ट को लेकर केंद्र पर आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने रेलवे को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर 'पीआर स्टंट (जनसंपर्क हथकंडा)' करने और आम लोगों की सुरक्षा, सुविधा और राहत पर ध्यान नहीं देने का भी आरोप लगाया।

खरगे ने 'एक्स' पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, मोदी सरकार ने रेलवे को तहस-नहस करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया, बालासोर जैसे बड़े हादसे होने के बाद, बहुप्रचारित 'कवच' सुरक्षा का एक भी किलोमीटर नहीं जोड़ा। खरगे ने दावा किया कि आम शयनयान श्रेणी में यात्रा करना बहुत महंगा हो गया है और इन डिब्बों की संख्या भी घटाई गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि इस साल 10 प्रतिशत से ज्यादा ट्रेन लेट (विलंब) हुईं। उन्होंने कहा, रेल बजट को खत्म करके, मोदी सरकार ने जवाबदेही से छुटकारा पा लिया है। मोदीजी केवल वाहवाही बटोरने के लिये सफेद रंग दी गई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के पीआर स्टंट में व्यस्त हैं। खरगे ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में आरोप लगाया, लेकिन वह आम जनता की सुरक्षा, सुविधा, सहूलियत और राहत पर रत्ती भर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा था कि 'कवच' 1500 किलोमीटर रेलमार्ग पर पूरी तरह स्थापित किया गया है। 'कवच' स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है। उन्होंने कहा कि इसका दायरा बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मंत्री ने यह भी दावा किया कि रेल यात्रियों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है और वर्तमान वित्त वर्ष के अंत तक, भारतीय रेलवे 650 से 700 करोड़ के कोविड-पूर्व यात्री यातायात को हासिल कर लेगा।

खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से 20 उड़ानों के मार्ग परिवर्तित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से कम से कम 20 उड़ानों के मार्ग परिवर्तित किए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि उड़ानों को जयपुर, अमृतसर, लखनऊ, अहमदाबाद और चंडीगढ़ की ओर मोड़ा गया। उन्होंने बताया कि सुबह साढ़े सात बजे से साढ़े 10 बजे के बीच उड़ानों के मार्ग परिवर्तित किए गए। अधिकारी ने बताया कि कुल 13 उड़ानों को जयपुर, चार को अमृतसर और एक-एक उड़ान को लखनऊ, अहमदाबाद और चंडीगढ़ भेजा गया।

दिल्ली हवाई अड्डे ने सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के कारण जरूरी प्रक्रिया अमल में लाई गई।

कांग्रेस ने यूजीसी के 'सेल्फी पॉइंट' निर्देश को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार पर यूजीसी के उस निर्देश को लेकर हमला बोला जिसमें विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से कहा गया है कि वे 'भारत के विकास को गति देने वाली परिवर्तनकारी पहल' पर प्रकाश डालने के लिए अपने-अपने परिसरों में 'सेल्फी पॉइंट' तैयार करें। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा चुनाव से पहले अपनी 'गिरती छवि' को बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 10 साल के (कार्यकाल के) अंतिम दौर में देश के लोग इस 'आत्म प्रचार के निंदनीय स्तर' से थक गये हैं और जल्द ही उचित जवाब देंगे। रमेश ने 'एक्स' पर मीडिया में आई एक खबर को साझा किया है जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को 'सेल्फी पॉइंट' बनाने के लिए कहा है।

रमेश ने कहा, ''हमारे सेल्फी आसक्त और आत्म-मुग्ध प्रधानमंत्री लोकसभा चुनाव से पहले इतने आशंकित हो गए हैं कि वह अपनी गिरती छवि को बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।'' कांग्रेस महासचिव ने 'एक्स' पर कहा, '' पहले सेना को 'सेल्फी पॉइंट' स्थापित करने के लिए कहा गया। फिर उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को 'रथ यात्रा' निकालने के लिए कहा। अब उन्होंने यूजीसी को सभी विश्वविद्यालयों में 'सेल्फी पॉइंट' स्थापित करने का निर्देश दिया है।'' रमेश ने कहा कि इसके पहले उन्होंने चंद्रयान-तीन की 'लैंडिंग' का दुरुपयोग किया था, इसके भी पहले उन्होंने अपने चेहरे की तस्वीर कोविड-19 टीकाकरण प्रमाणपत्र पर चस्पा करवाई थी।

देश में चाय उत्पादन अक्टूबर में 12 प्रतिशत से अधिक बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। देश में चाय उत्पादन इस साल अक्टूबर में 12.06 प्रतिशत बढ़कर 18.28 करोड़ किलो रहा। पिछले साल इसी माह में यह 16.31 करोड़ किलो था। चाय बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल में चाय उत्पादन अक्टूबर में बढ़कर 5.49 करोड़ किलो रहा, जबकि 2022 के इसी माह में यह 4.97 करोड़ किलो था।

देश के सबसे बड़े चाय उत्पादक राज्य असम में भी अक्टूबर में 10.43 करोड़ किलो से अधिक का उत्पादन हुआ। पिछले साल इसी महीने में राज्य में 9.07 करोड़ किलो चाय का उत्पादन हुआ था।

दक्षिण भारत में उत्पादन आलोच्य महीने में मामूली रूप से घटकर 1.88 करोड़ किलो रहा। एक साल पहले 2022 के अक्टूबर महीने में यह 1.89 करोड़ किलो था। आंकड़ों के अनुसार श्रेणीवार देखा जाए तो चाय की सीटीसी किस्म का उत्पादन अक्टूबर 2023 में 16.77 करोड़ किलो रहा जबकि उत्तर और दक्षिण भारत दोनों में परंपरागत तरीके से उत्पादित चाय का उत्पादन 1.29 करोड़ किलो था।

ग्रीन टी का उत्पादन इस दौरान 21.4 लाख किलो रहा।

चक्रवात में तब्दील होगा दबाव क्षेत्र, सोमवार को आंध्र तट को पार करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बंगाल की खाड़ी में बना दबाव क्षेत्र शनिवार को गहन दबाव क्षेत्र में बदल गया है और सोमवार को आंध्र प्रदेश तट को पार करने से पहले नेल्लोर व मछलीपट्टनम के बीच इसके चक्रवात बनने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

आईएमडी ने इस मौसमी प्रणाली के प्रभाव के कारण सोमवार व मंगलवार को ओडिशा में भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने बुलेटिन में कहा कि दबाव क्षेत्र 18 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़कर एक गहन दबाव क्षेत्र में तब्दील हो गया है। सुबह साढ़े पांच बजे पुडुचेरी से 500 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, चेन्नई से 510 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, नेल्लोर से 630 किलोमीटर दक्षिणपूर्व और मछलीपट्टनम से 710 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित था।

आईएमडी ने कहा कि इस मौसमी प्रणाली के पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटे में बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी में चक्रवाती तूफान में तब्दील होने का अनुमान है। बुलेटिन में कहा गया है कि इसके बाद, यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और चार दिसंबर तक दक्षिण आंध्र प्रदेश व निकटवर्ती उत्तरी तमिलनाडु के तटों से होते हुए पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुंच जाएगा। आईएमडी ने कहा, इसके बाद, यह लगभग उत्तर की ओर लगभग समानांतर और दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के करीब बढ़ेगा और पांच दिसंबर को एक चक्रवाती तूफान बनकर नेल्लोर व मछलीपट्टनम के बीच से गुजरेगा। इस दौरान 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलने का अनुमान है, जो 100 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंच सकती है।

आईएमडी ने कहा कि यदि यह मौसमी प्रणाली चक्रवात में तब्दील हो जाती है, तो इसे 'माइचौंग' कहा जाएगा। यह म्यांमा द्वारा सुझाया गया नाम है। आईएमडी ने कहा कि इसके प्रभाव के चलते ओडिशा में चार और पांच दिसंबर को बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। इस बीच, राज्य के विशेष राहत आयुक्त ने बंगाल की खाड़ी में चक्रवात की आशंका के मद्देनजर सात तटीय जिलों - बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी, खुर्द और गंजम को सावधानी बरतने के लिए कहा है। आईएमडी ने कहा कि समुद्री स्थितियां खराब होंगी और मछुआरों को अगली सूचना तक गहरे समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

केंद्रीय एजेंसी से निकटता का दावा करने वाले व्यक्ति ने मुझे तीन महीने तक धमकी दी : विधानसभा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु ने शनिवार को दावा किया कि एक केंद्रीय जांच एजेंसी से निकटता का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने उन्हें तीन महीने तक कथित तौर पर धमकी दी। अप्पावु ने इस मुद्दे पर अधिक विवरण देने से इनकार कर दिया। उन्होंने रिश्वतखोरी के आरोप में सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा मदुरै में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी से केवल यह संकेत मिलता है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों में चीजें कैसे चल रही हैं।

अप्पावु ने तिरुनेलवेली में संवाददाताओं से कहा, मुझे ईडी अधिकारी की गिरफ्तारी के बारे में मीडिया के माध्यम से पता चला। इससे पता चलता है कि केंद्रीय एजेंसियां, विशेष रूप से सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो), ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और आयकर कैसे गैर-भाजपा शासित राज्यों में नेताओं और व्यापारियों को अपने मध्यस्थों के माध्यम से निशाना बनाते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसी का करीबी होने या उसका प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने उन्हें धमकियां भी दीं। अप्पावु ने कहा, वह एक केंद्रीय एजेंसी के नाम पर तीन महीने से मुझे धमकियां दे रहा है। मुझे उसे चेतावनी देनी पड़ी कि वह मुझ पर यह तरकीब ना आजमाए क्योंकि मैं स्पष्टवादी हूं और ईश्वर मेरा ध्यान रखेगा। उन्होंने कहा, ''मैंने बिचौलिये से कहा कि यदि वह मेरे जैसे किसान को धमकी देने के लिए नीचे गिर सकता है, तो अन्य लोगों की क्या दुर्दशा होगी।'' उन्होंने कहा कि ''बिचौलिये ने उन्हें भूमिगत होने और अपना मोबाइल नंबर बदल लेने को भी कहा था। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने दृढ़ता से मना कर दिया।''

प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी अंकित तिवारी को एक सरकारी कर्मचारी से 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने थूथुकुडी में संवाददाताओं से कहा कि किसी व्यक्ति की गलती के लिए पूरे विभाग को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। अन्नामलाई ने कहा, रिश्वत लेने के लिए इस तरह की गिरफ्तारी कोई अनोखा मामला नहीं है।

इसी तरह की गिरफ्तारियां राजस्थान, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में भी की गई थीं। डीवीएसी अधिकारियों ने जाल बिछाया और उसे पकड़ लिया। लेकिन किसी एक व्यक्ति की गलती के लिए पूरे प्रवर्तन निदेशालय को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने पूछा कि यदि किसी पुलिसकर्मी ने गलती की है तो क्या पूरे तमिलनाडु पुलिस विभाग को दोषी ठहराया जा सकता है।

ईडी अधिकारी 20 लाख की रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के अधिकारियों ने राज्य सरकार के एक कर्मचारी से 20 लाख रुपये की उगाही करने के आरोप में केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया और मदुरै में उसके कार्यालय की तलाशी ली। डीवीएसी अधिकारियों ने एक सरकारी डॉक्टर से रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में अंकित तिवारी को गिरफ्तार किया, जो आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोपी हैं।

अधिकारियों ने उनकी कार से 20 लाख रुपये नकद जब्त किए, जो उन्हें कथित तौर पर रिश्वत के रूप में मिले थे। इसके बाद ईडी अधिकारी को पूछताछ के लिए डिंडीगुल स्थित वीएंडएसी कार्यालय ले जाया गया। बाद में उन्होंने शुक्रवार देर रात ईडी के मदुरै कार्यालय और उनके आवास पर तलाशी ली और कई अन्य दस्तावेज जब्त किए और बाद में अधिकारी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। तमिलनाडु में यह पहली बार है कि ईडी के किसी अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। डिंडीगुल के डॉ. सुरेश बाबू से मिली शिकायत के बाद वीएंडएसी ने गुरुवार को ईडी अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, वह डिंडीगुल के सरकारी अस्पताल में उपाधीक्षक के रूप में काम करता था। उनके खिलाफ 2018 में आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जमा करने का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ महीने पहले तिवारी ने उनसे संपर्क किया था और उन्हें आरोपों से मुक्त करने के लिए 3 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग की थी। जब डॉक्टर ने बड़ी रकम देने से इनकार कर दिया, तो तिवारी ने उनसे 51 लाख रुपये देने के लिए बातचीत की। शिकायतकर्ता ने कहा कि 1 नवंबर को उसने तिवारी को 20 लाख रुपये नकद सौंपे थे। चूंकि, ईडी अधिकारी ने 31 लाख रुपये और देने के लिए उसे परेशान करना शुरू कर दिया, इसलिए डॉक्टर ने वीएंडएसी में शिकायत दर्ज कराई। एजेंसी ने बाबू को तिवारी को 20 लाख रुपये नकद सौंपने के लिए कहकर जाल बिछाया। ईडी अधिकारी को डिंडीगुल-मदुरै राजमार्ग पर थॉमिअरपुरम में बाबू से नकदी मिलने के बाद, वी एंड एसी अधिकारियों की एक टीम ने तिवारी की कार का पीछा किया, उन्हें कोडाइकनाल रोड टोल कलेक्शन प्लाजा पर रोका और नकदी जब्त कर ली और बाद में गिरफ्तार कर लिया। ईडी अधिकारी की गिरफ्तारी अवैध रेत खनन से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में पांच जिला कलेक्टरों को समन जारी करने को लेकर राज्य सरकार और ईडी के बीच टकराव के बीच हुई है।

कुत्तों के झुंड ने तेंदुए के बच्चे पर किया हमला, उतारा मौत के घाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। तुमकुरु जिले में कुत्तों के एक झुंड ने आठ महीने के तेंदुए के शावक पर हमला कर उसे मार डाला।

तेंदुए के शावक को पहले कोरा होबली क्षेत्र में और फिर मावुकेरे गांव में देखा गया था, जिससे ग्रामीणों में डर पैदा हो गया था। स्थानीय लोगों ने वन विभाग के अधिकारियों को तेंदुए के शावक की मौजूदगी के बारे में कई बार सूचित किया था, आरोप है कि अधिकारियों ने कोई जवाब नहीं दिया।

मावुकेरे के ग्रामीणों ने शुक्रवार शाम को शावक पर कुत्तों द्वारा हमला करते देखा। कुत्तों के झुंड से भागने में कामयाब होने के बावजूद, चोटों के कारण उसने दम तोड़ दिया और उसका शव पास में ही पाया गया। पोस्टमार्टम के नतीजों से पुष्टि हुई कि तेंदुए के शावक की मौत कुत्तों के हमले से हुई है। पशु कार्यकर्ताओं ने तेंदुए के शावक की मौत के लिए वन विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है।

तमिलनाडु में भारी बारिश के आसार : आईएमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी के ऊपर हवा का गहरा दबाव बन रहा है जिसके चक्रवाती तूफान में तब्दील होने के पूरे आसार है। जिससे उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी बारिश हो सकती है। चक्रवाती तूफान पांच दिसंबर की दोपहर को आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और मछलीपट्टनम तटों को पार कर जाएगा। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी।

आईएमडी ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर हवा का गहरा दबाव बनने से यह पिछले छह घंटों के दौरान 17 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है।

विभाग ने कहा कि अब यह तूफान पुड्डुचेरी से लगभग 440 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, चेन्नई से 420 किमी दक्षिणपूर्व, नेल्लोर से 540 किमी दक्षिणपूर्व, बापटला से 650 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व और मछलीपट्टनम से 650 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व में एक ही क्षेत्र पर केंद्रित है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है।

आईएमडी ने बताया कि इसके बाद तूफान उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और चार दिसंबर की दोपहर तक दक्षिण आंध्र प्रदेश और आसपास के उत्तरी तमिलनाडु तटों से होते हुए पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुंच जाएगा। फिर यह लगभग उत्तर की ओर लगभग समानांतर और दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के करीब बढ़ेगा और पांच दिसंबर की दोपहर के दौरान चक्रवाती तूफान के रूप में नेल्लोर और मछलीपट्टनम के तट को पार कर जाएगा। जिसकी अधिकतम रफ्तार 80-90 किमी प्रति घंटे होगी और हवा की गति 100 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

मौसम कार्यालय ने चेन्नई सहित उत्तरी तमिलनाडु के तटों और तिरुवल्लुर, चेंगलपट्टू और कांचीपुरम के आसपास के जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान जताया है, इसके मद्देनजर सोमवार को सभी शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित की गई है। तमिलनाडु सरकार ने आसन्न भारी चक्रवाती बारिश से निपटने के लिए अपनी पूरी तैयारी कर ली है।

नवीनतम मौसम घटनाक्रम और आसन्न चक्रवाती तूफान के मद्देनजर स्थिति की समय-समय पर निगरानी कर रहे मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने 12 जिलों के अधिकारियों को निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाने सहित सभी एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी राहत शिविरों में भोजन, सुरक्षित पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, इसके अलावा अधिकारियों को चेन्नई शहर, उपनगरों और अन्य क्षेत्रों में जल जमाव वाले क्षेत्रों की पहचान करने और अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाने का आदेश दिया। चक्रवाती तूफान के आने से पहले गुरुवार शाम को कई जगहों पर मूसलाधार बारिश भी हुई है।

मौसम कार्यालय ने कल से दो दिनों के लिए उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुड्डुचेरी में बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया है और कहा कि चार दिसंबर के बाद इसमें राहत मिलेगी। विभाग ने कहा कि बंगाल की दक्षिण-पश्चिमी खाड़ी के साथ-साथ उत्तरी तमिलनाडु-पुड्डुचेरी तटों पर तेज़ हवाएँ चलेंगी।

विभाग ने कहा कि उत्तरी तमिलनाडु और पुड्डुचेरी के तटों पर मौसम के खराब होने की स्थिति के मद्देनजर मछुआरों को आज से अगले तीन दिनों तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

वैशाली बनीं ग्रैंडमास्टर, दुनिया की पहली भाई-बहन ग्रैंडमास्टर जोड़ी बने प्रज्ञानानंद और वैशाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली स्पेन के एल लोब्रेगाट ओपन में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली देश की तीसरी महिला खिलाड़ी बनी। इससे वह अपने भाई आर प्रज्ञानानंदा के साथ मिलकर दुनिया की पहली भाई-बहन ग्रैंडमास्टर जोड़ी बन गयीं।

वैशाली ने यह उपलब्धि शुक्रवार को 2500 ईएलओ रेटिंग अंक पार करने के बाद हासिल की। वह देश की 84वीं ग्रैंडमास्टर (जीएम) हैं। कोनेरू हम्पी और डी हरिका भारत की दो अन्य महिला ग्रैंडमास्टर खिलाड़ी हैं। चेन्नई की 22 साल की वैशाली ने स्पेन में 2500 ईएलओ रेटिंग अंक का आंकड़ा पार किया जिसमें उन्होंने दूसरे दौर में तुर्की की तैमर तारिक सेल्बेस को पराजित किया। वैशाली ने अक्टूबर में कतर मास्टर्स टूर्नामेंट में तीसरी जीएम नॉर्म हासिल की थी और उन्हें अपनी ईएलओ रेटिंग बढ़ाने की जरूरत थी। इस तरह प्रज्ञानानंदा और वैशाली विश्व चैम्पियनशिप मैच के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट कैंडिडेट्स में जगह बनाने वाली पहली भाई-बहन की जोड़ी भी बन गये। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट अप्रैल में टोरंटो में खेला जायेगा।

वैशाली के छोटे भाई प्रज्ञानानंदा ने 2018 में जीएम खिताब हासिल किया था जब वह महज 12 साल के थे। हम्पी जीएम खिताब हासिल करने वाली दुनिया की सबसे युवा महिला खिलाड़ी हैं। वह 15 साल की उम्र में 2002 में जीएम बनी थीं। शतरंज के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर वैशाली को बधाई देते हुए कहा, पिछले कुछ महीनों में उसने काफी मेहनत की है और यह अच्छा संकेत है क्योंकि वह कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तैयारी कर रही है। उनके माता-पिता को बधाई।

वैशाली के पिता रमेशबाबू खुद एक शतरंज खिलाड़ी हैं जिन्होंने ही अपने बच्चों को इस खेल में आने के लिए प्रोत्साहित किया।

बेलगावी में अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं ने की पासिंग आउट परेड

अग्निवीर वायु (महिला) के पहले बैच में 153 महिलाओं ने प्रशिक्षण पूरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेलगावी में 2 दिसम्बर को एयरमैन ट्रेनिंग स्कूल में अग्नि वीर वायु (महिला) के पहले प्रवेश के साथ-साथ अग्निवीर वायु (पुरुष) के दूसरे प्रवेश की पासिंग आउट परेड़ (पीओपी) में अपना पूरा प्रशिक्षण प्राप्त पर भारतीय वायुसेना में इतिहास रचा है। पहले 153 अग्निवीर वायु (महिला) के पहले बैच ने अपने पुरुष समकक्षों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया। कुल 2280 अग्निवीरवायु (पुरुष और महिला) प्रशिक्षुओं ने 22 सप्ताह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस मौके पर एयर मार्शल आर राधीश, वायु अफसर कमांडिंग-इन-चीफ, प्रशिक्षण कमान मुख्यालय, भारतीय वायु सेना ने परेड की समीक्षा की और प्रशिक्षुओं द्वारा ड्रिल और मार्चपास्ट का शानदार आयोजन किया गया। एयर मार्शल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और सम्मानित किया।

आरओ ने परेड को प्रभावशाली और भव्य बनाने के उत्कृष्ट प्रयास के लिए अग्निवीरवायु की सराहना की। उन्होंने आह्वान किया कि वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में नई चुनौतियाँ उभर रही हैं। इसलिए, 22 सप्ताह के दौरान हासिल किए गए युद्ध प्रशिक्षण और सैन्य तैयारियों का उपयोग सैन्य उद्देश्यों की प्राप्ति में किया जाना चाहिए। उन्होंने अग्निवीरवायु को अपने ज्ञान, कौशल को बढ़ाने और हर समय अनुकरणीय तरीके से आचरण करने के लिए भी प्रेरित किया।

आरओ ने अग्निवीरवायु के माता-पिता की भी सराहना की, देश के लिए उनके योगदान को स्वीकार करते हुए और पुरुषों और महिलाओं को सम्मानित करने के लिए, जो दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वायु सेना का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। पासिंग आउट परेड युवा पुरुषों और महिलाओं के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था अग्निवीर वायु के सभी अभिभावक उपस्थित थे।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने वकील पर पुलिस हमले पर स्वतः संज्ञान याचिका शुरू की

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक स्वत: संज्ञान याचिका पर सुनवाई करते हुए चिक्कमगलूरु में एक वकील के खिलाफ हमले में शामिल छह पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया। मामले की गंभीरता और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि चिक्कमगलूरु टाउन पुलिस स्टेशन के छह पुलिस अधिकारियों द्वारा कर्तव्य में लापरवाही की गई, जिनमें से एक सहायक उप-निरीक्षक, चार कांस्टेबल और एक उप-निरीक्षक है, उन्हें हिरासत में रखा गया है।

अदालत ने अधिवक्ताओं से यह भी कहा कि वे अदालती कार्यवाही से दूर रहने जैसा ''अतिवादी कदम'' न उठाएं। मामला वकील प्रीतम से जुड़ा है, जिन्हें गुरुवार रात बिना हेलमेट के बाइक चलाने पर पुलिस ने बाजार रोड पर रोका था। बहस के बाद उसे पुलिस स्टेशन ले जाया गया जहां कथित तौर पर उसकी पिटाई की गई।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए विभिन्न फुटबॉल शैलियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना महत्वपूर्ण : लुइस गार्सिया

बेंगलूरु। स्पेन और लिवरपूल के दिग्गज लुइस गार्सिया का मानना है कि भारतीय फुटबॉल को वैश्विक ऊंचाई छूने के लिए खिलाड़ियों को विदेश में विभिन्न लीग का अनुभव देने के साथ युवा प्रतिभाओं और कोचों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाना जरूरी है। गार्सिया 2014 में आईएसएल (इंडियन सुपर लीग) खिताब जीतने वाली एटलेटिको डी कोलकाता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों को विदेशी लीग में मौका देने से खेल को लेकर उनकी समझ का दायरा बढ़ेगा।

साल 2004 से 2007 के बाद लिवरपूल के लिए 77 मैच खेलने वाले गार्सिया ने कहा, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आप (विदेश में) फुटबॉल की एक अलग शैली के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं। अगर आपको उनसे प्रतिस्पर्धा करने के लिए किसी टूर्नामेंट के अंतिम चरण तक इंतजार करना पड़ता है तो ऐसे में आपको सिर्फ एक या दो मैच में उसे समझने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों को खेल को अगले स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिस्पर्धा के अधिक मौके की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि भारतीय (राष्ट्रीय) टीम सत्र के दौरान यात्रा करे और एशिया और आसपास में मैत्री मैचों का आयोजित करने का प्रयास करे। इस तरह के मैचों में हार और जीत का अंतर मायने नहीं रखता, क्योंकि यह अलग तरह की फुटबॉल शैली का सामना करने की भावना से जुड़ा है। आप अगर शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं, विश्व कप के लिए क्वालिफिकेशन हासिल करना चाहते हैं, तो आपको छोटे बच्चों को खेल में सुधार करने का अवसर देना होगा।''

ईडी अधिकारी 20 लाख की रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार

चेन्नई/दक्षिण भारत। तमिलनाडु सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के अधिकारियों ने राज्य सरकार के एक कर्मचारी से 20 लाख रुपये की उगाही करने के आरोप में केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया और मदुरै में उसके कार्यालय की तलाशी ली।

डीवीएसी अधिकारियों ने एक सरकारी डॉक्टर से रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में अंकित तिवारी को गिरफ्तार किया, जो आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोपी हैं। अधिकारियों ने उनकी कार से 20 लाख रुपये नकद जब्त किए, जो उन्हें कथित तौर पर रिश्वत के रूप में मिले थे। इसके बाद ईडी अधिकारी को पूछताछ के लिए डिंडीगुल स्थित वीएंडएसी कार्यालय ले जाया गया। बाद में उन्होंने शुक्रवार देर रात ईडी के मदुरै कार्यालय और उनके आवास पर तलाशी ली।

ठाकुर ने राजस्थान में भाजपा को बहुमत मिलने का भरोसा जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को विश्वास जताया कि राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए रविवार को होने वाली मतगणना में भारतीय जनता पार्टी को बहुमत मिलेगा। ठाकुर ने कहा, 'जनता का इंतजार खत्म होगा। अराजकता... भ्रष्टाचार से छूट मिलेगी और राजस्थान को कांग्रेस की इस 'लूट' वाली सरकार से अब मुक्ति मिलेगी।' साथ ही उन्होंने भाजपा के पक्ष में मतदान करने वाले मतदाताओं का धन्यवाद किया। राज्य की 200 में से 199 विधानसभा सीटों पर 25 नवंबर को मतदान हुआ था जिसके मतों की गिनती रविवार को होगी। राज्य की करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया है।

राज्य के सभी जिलों में वोटों की गिनती रविवार सुबह आठ बजे शुरू होगी। अपने अजमेर दौरे के लिए शनिवार सुबह जयपुर हवाई अड्डे पर पहुंचे ठाकुर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि झूठे दावे और वादे करना कांग्रेस की पुरानी आदत है। उन्होंने कहा,' कांग्रेस का चेहरा बेनकाब हो चुका है। कल केवल नतीजे आने बाकी हैं। जनता जो एक अच्छी सरकार चाहती थी वह भाजपा बनाएगी।' ठाकुर मेयो कॉलेज में एक समारोह में भाग लेने के लिए जयपुर से अजमेर गए। उन्होंने पत्रकारों से यह भी कहा कि चुनाव के नतीजे भाजपा के पक्ष में होंगे। उन्होंने कहा, 'लोग राजस्थान में विकास और डबल इंजन सरकार चाहते हैं।'

राजस्थान के चुनावी रण वैसे तो कई पार्टियां मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला प्रमुख पार्टी कांग्रेस और भाजपा में ही है। एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आने के बाद से हलचल तेज गई है। तमाम नेताओं के दावों के बीच बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी भाजपा की जीत का दावा पेश किया है।

एक बयान में अनुराग ठाकुर ने कहा कि फर्जी वादे और फर्जी गारंटी देना कांग्रेस की पुरानी आदत है। पांच साल तक राहुल गांधी ने (राजस्थान में) फर्जी वादे किए। मैं केवल इतना कहूंगा कि कांग्रेस बेनकाब हो गई है और भाजपा कल सरकार बनाएगी। वहीं, इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी कांग्रेस पार्टी की जीत का दावा किया था। एग्जिट पोल के आंकड़ों को दरकिनार करते हुए उन्होंने कांग्रेस की जीत का दावा किया था। बता दें कि राजस्थान की 199 विधानसभा सीटों पर 25 नवंबर को मतदान हुआ था।

इस बार चुनाव प्रतिशत पिछले के मुकाबले ज्यादा ही रहा है। इस बार 74.62 फीसदी मतदान हुआ है। अब कल नतीजों का एलान होना बाकी है। गौरतलब है कि साल 2018 में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत मिली थी और सीएम गहलोत ने निर्दलीयों के समर्थन से सरकार बनाई। वहीं बीजेपी को इस चुनाव में 73 सीटें मिली थीं।

राज और रिवाज बदलने की लड़ाई वाले राजस्थान में मतगणना आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में 199 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान में वोटों की गिनती रविवार को की जाएगी। इन सीट पर कुल 1862 उम्मीदवार अपना चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 की मतगणना के लिए मतगणना केंद्रों पर माकूल व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। तीन दिसंबर को सुबह आठ बजे से सभी केंद्रों पर मतपत्र और 8.30 बजे से ईवीएम के जरिए डाले गए मतों की गिनती शुरू हो जाएगी।

राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ कांग्रेस व मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी में माना जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में इस चुनाव को राज (सरकार) और 'रिवाज बदलने की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। बीते कुछ दशकों में, परंपरागत रूप से राज्य में हर विधानसभा चुनाव में राज यानी सरकार बदल जाती है... एक बार कांग्रेस एक बार भाजपा। भाजपा को बाकी बातों के अलावा इस 'रिवाज' से बड़ी उम्मीद है जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि इस बार यह 'रिवाज' बदलेगा और दोबारा उसकी सरकार बनेगी। 30 नवंबर को आए चुनाव बाद के पूर्वानुमानों के बाद सत्तारूढ़ कांग्रेस व मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी, दोनों को सरकार बनाने की उम्मीद है। जहां अधिकांश एग्जिट पोल ने राज्य में भाजपा को बढ़त मिलने की भविष्यवाणी की है, तीन एग्जिट पोल ने कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की है।

रविवार को मतगणना से यह स्पष्ट हो जाएगा कि मतदाताओं ने अशोक गहलोत सरकार के कामकाज, उसकी चर्चित लोककल्याणकारी योजनाओं तथा सात गारंटी के वादे पर भरोसा जताया या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जादू' और भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे ने उन्हें प्रभावित किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने बताया कि 199 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सभी 36 केंद्रों पर मतगणना के लिए 1121 सहायक निर्वाचन अधिकारियों (एआरओ) की ड्यूटी लगाई गई है। राज्य में जयपुर, जोधपुर एवं नागौर में दो-दो केंद्रों पर और शेष 30 निर्वाचन जिलों में एक-एक केंद्र पर वोटों की गिनती की जाएगी।

गुप्ता ने बताया कि 51890 मतदान केंद्रों पर ईवीएम में प्राप्त मतों की गणना के लिए मतगणना केंद्रों पर 2524 मेज लगाई गई हैं। इनमें कुल 4245 चरण में मतों की गिनती का कार्य पूरा होगा। शिव विधानसभा क्षेत्र के लिए मतगणना सर्वाधिक 41 चरण तक चलेगी, जबकि अजमेर दक्षिण के लिए मतगणना 14 चरण में ही पूरी हो जाएगी। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल और उसके आस-पास के क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजामात किए गए हैं। मतगणना प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा इंतजामों के अंतर्गत केन्द्रीय पुलिस बल और अन्य की व्यापक तैनाती रहेगी।

उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर प्रवेश के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है ताकि मतगणना स्थल पर किसी तरह का कोई व्यवधान नहीं आए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि केन्द्रीय पुलिस बलों की 40 कंपनियां ईवीएम की सुरक्षा के लिए और आरएसी की 36 कंपनियां मतगणना केंद्रों पर तैनात रहेंगी। आरएएसी की 99 कम्पनियां विभिन्न जिलों में कानून-व्यवस्था के मद्देनजर तैनात की जाएंगी।

राज्य में 200 में से 199 सीटों पर 25 नवंबर को मतदान हुआ था जहां 75.45 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। साल 2018 के गत वधिानसभा चुनाव में 74.71 प्रतशित मतदान हुआ था, इस बार मतदान 0.73 प्रतिशत बढ़ा। राज्य की करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण चुनाव स्थगित किया गया है।

जहां तक चुनावी समर में उतरे प्रमुख नेताओं की बात है तो सत्तारूढ़ कांग्रेस की ओर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, मंत्री शांति धारीवाल, बीडी कल्ला, भंवर सिंह भाटी, सालेह मोहम्मद, ममता भूपेश, प्रताप सिंह खाचरियावास, राजेंद्र यादव, शकुंतला रावत, उदय लाल आंजना, महेंद्रजीत सिंह मालवीय तथा अशोक चांदना व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट शामिल हैं। वहीं भाजपा के प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया तथा सांसद दीया कुमारी, राज्यवर्धन राठौड़, बाबा बालकनाथ व किरोड़ी लाल मीणा मैदान हैं।

शादी समारोह में शामिल होने जा रहे एक व्यक्ति समेत चार बच्चों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। बीकानेर जिले के श्री डूंगरगढ़ इलाके में बीती रात भीषण हादसा हुआ। भारी वाहन से कार की जबदरदस्त टक्कर में चार में लोगों की मौत हो गई। हादसे के समय कार में बच्चों 14 लोग सवार थे। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार सभी लोग शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट गई। हादसे के अनुसार कार सवार सभी लोग शादी समारोह में शामिल होने के लिए बीकानेर से निकले थे। कार में दस बच्चों के साथ ही तीन महिलाएं भी सवार थीं। ये सभी लोग लोग गांव बिरमसर व सुरजनसर से बन्धनाऊ शादी कार्यक्रम में जा रहे थे। पुलिस के अनुसार आडसर गांव से चार किलोमीटर दूर सरदारशहर की ओर ये कार किसी अज्ञात भारी वाहन की चपेट में आ गई। हादसे में चार की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें तीन बच्चे और एक व्यक्ति शामिल है। वहीं, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चों के शरीर में तो मल्टीपल फ्रैक्चर हैं। हादसे की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट गई। ये टक्कर इतनी भीषण थी कार के परखच्चे उड़ गए और कार में सवार तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चों की उम्र दस से बारह साल के बीच बताई जा रही है। कार के कई हिस्सों को काटकर बच्चों और अन्य लोगों को बाहर निकाला गया। परिवार को सूचना देर रात ही दे दी गई।

भाजपा ने जाति विशेष के कर्मचारियों की मतगणना में ड्यूटी लगाने का किया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। वोटों की गिनती रविवार को राजकीय पीजी कॉलेज में सुबह 8:00 बजे शुरू होगी। मतगणना में जाति विशेष के अधिकारी व कर्मचारियों की बड़ी संख्या में ड्यूटी लगाने का भाजपा प्रत्याशी की ओर से विरोध दर्ज कराया गया है। मतगणना कार्य के लिए जिला निर्वाचन विभाग द्वारा लगाए गए आधिकारी-कर्मचारियों में जाति विशेष के लोगों की संख्या ज्यादा होने का आरोप लगाते हुए दौसा के भाजपा प्रत्याशी शंकर शर्मा के चुनाव एजेंट एडवोकेट कमलेश बोहरा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को शिकायत की है कि मतगणना कार्य के लिए जिला प्रशासन की ओर से जाति विशेष के लोगों को अधिक संख्या में तैनात किया है। जबकि अन्य समाज व जाति के लोगों की संख्या बहुत ही कम है।

पारदर्शी व शांतिपूर्वक तरीके से मतगणना कार्य के लिए उन्होंने सभी जाति समाज के आधिकारी कर्मचारियों की तैनाती करने की मांग की है। इसके लिए गणना कार्य में तैनात लोगों की समीक्षा करने की मांग की है। इस मामले में कांग्रेस के प्रत्याशी मुरारी लाल मीणा का कहना है कि भाजपा के एजेंट द्वारा एक जाति (एसटी) के कार्मिकों को चुनाव प्रक्रिया से हटाने की शिकायत वैमनष्यता फैलाने वाली है। मालूम हो कि मतगणना का कार्य रविवार को सुबह 8:00 बजे राजकीय पीजी कॉलेज मैं शुरू होगा।

पांच विधानसभा क्षेत्र की 1235 ईवीएम एवं डाक मत पत्रों की गणना के लिए 7 कमरों में 93 टेबल लगाई हैं। जिले के 43 प्रत्याशियों के मतों की गणना के 93 राउंड होंगे। मतगणना कार्य के लिए 584 अधिकारी कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए 1000 जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। गणनास्थल के 100 मीटर के दायरे में किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गांधी तिराहा से सोमनाथ चौराहे तक बैरिकेटस लगाकर रूट डायवर्ट किया जाएगा।

घने कोहरे के कारण प्राइवेट बस और स्कूल बस में भीषण भिड़ंत, बस ड्राइवर और एक बच्चे की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। सर्दियां शुरू होते ही संड़कों पर घना कोहरा होने लगा है। इसके चलते लोगों को सड़क पर वाहन चलाने में परेशानी हो रही है। शनिवार को घने कोहरे के कारण ही राजस्थान के अजमेर जिले के रूपनगढ़ में भीषण सड़क हादसा हो गया।

एक स्कूल बस और प्राइवेट बस की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में बस ड्राइवर और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। बस में सवार एक दर्जन से ज्यादा बच्चे घायल हो गए, घायल बच्चों को करकेड़ी सीएचसी में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। 6 बच्चों को अजमेर-परबतसर रेफर किया गया है। ये सड़क हादसा करकेड़ी और अमरपुरा गांव के बीच हुआ है।

बता दें कि सर्दी के मौसम में घने के कोहरे के बीच सभी को गाड़ी चलाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच शनिवार को अजमेर में कोहरे के कारण भीषण सड़क हादसा हुआ। प्राइवेट बस और स्कूल बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा करकेड़ी व अमरपुरा गांव के बीच हुआ है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, हादसे में स्कूल बस चालक और एक बच्चे की मौत हो गई है। चालक का नाम सुगन जाट बताया जा रहा है, जबकि बस में सवार एक दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए हैं। घायल बच्चों का करकेड़ी सीएचसी में उपचार जारी है। वहीं गंभीर रूप से घायल 6 बच्चों को अजमेर-परबतसर रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही अजमेर जिला कलेक्टर भारती दीक्षित, एसपी चुनाराम जाट सहित आलाधिकारी अस्पताल पहुंचे और उन्होंने हादसे की जानकारी लेते हुए घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछा।

विद्यार्थी अर्जित शिक्षा का राष्ट्र और समाज के उत्थान में उपयोग करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शनिवार को मणिपाल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक, खेल और अन्य क्षेत्रों उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को डिग्री, पदक और चेक प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन में प्राप्त होने वाली शिक्षा का अंत नहीं बल्कि विद्यार्थी का नव जीवन मे प्रवेश है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा अर्जित शिक्षा का राष्ट्र और समाज के हित में उपयोग करने का भी आह्वान किया।

राज्यपाल मिश्र ने प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली की चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो निरंतर अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करे और विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण करे। उन्होंने शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के आलोक में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है जो विद्यार्थियों को जीवन को गढ़े। उन्हें व्यक्ति से मनुष्य बनाने की ओर अग्रसर करे।

मिश्र ने विद्यार्थियों को जीवन के उदात्त मूल्यों का आचरण करने और केवल अपने लिए ही नहीं दूसरों के लिए भी सार्थक कुछ करने का सदा भाव रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होने मणिपाल विश्वविद्यालय के आचार्यों से आग्रह किया कि वे जिस किसी भी विषय में विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करे, इस तरह से शिक्षा का उनमें प्रसार करे कि वह उनके जीवन पर्यन्त काम आए। उन्होने विद्यार्थियों को सदा जिज्ञासु बने रहने और ऐसी मन:स्थिति विकसित करने का आह्वान किया जिससे वे चुनौतियों को विकास के अवसर के रूप में बदल

सके। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण के लिए अधिकधिक अवसर सृजित करने, उन्हें अपने लक्ष्य के लिए समर्पित होकर कार्य करने और खुली आंखों से सपने देखने और निंतर उन्हें पूरा करने के लिए प्रयास करने के लिए आह्वान किया।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने असम को पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बताते हुए कहा है कि प्राकृतिक संपदा से संपन्न यह राज्य भारत की विविधता में एकता की संस्कृति का अनूठा उदाहरण है। मिश्र शनिवार को राजभवन में असम स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने असम निवासियों से संवाद करते हुए उन्हें राज्य स्थापना दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

असम के गौरवमय अतीत की चर्चा करते हुए मिश्र ने कहा कि प्राचीन ग्रंथों में इस प्रदेश को प्रागज्योतिषपुर के नाम से जाना जाता रहा है। पुराणों के अनुसार यह कभी कामरूप राज्य की राजधानी था। उन्होंने असम में ब्रह्मपुत्र, वहां की वनस्पति और प्राकृतिक सौंदर्य को भारत की धरोहर बताते हुए वहां के आर्थिक विकास के लिए पर्यटन संभावनाओं पर और अधिक कार्य करने का भी आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

राजस्थान के अनेक हिस्सों में बारिश का दौर जारी

जयपुर। बदले हुए मौसम के बीच राजस्थान के अनेक हिस्सों में बारिश का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में अकलेरा में सबसे अधिक 32 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई। जयपुर के मौसम केंद्र के अनुसार राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान झालावाड़, बांसवाड़ा, बारां जिलों में कहीं-कहीं बारिश हुई तथा सर्वाधिक वर्षा अकलेरा (झालावाड़) में 32 मिमी. दर्ज की गई। इसके अनुसार शनिवार को पश्चिमी विक्षोभ परिसंचरण तंत्र के रूप में दक्षिण हरियाणा एवं आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है, जिसके फलस्वरूप उदयपुर एवं कोटा संभागों के कुछ भागों में हल्की-मध्यम बारिश जारी रहेगी।

तीन-चार दिसंबर को भी एक और नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर, अजमेर जयपुर एवं भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पूजा अर्चना

शनिवार को दौसा स्थित मेहंदीपुर बालाजी महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

विधायिका के सदस्यों को संविधान सभा में देखे गए आचरण का पालन करना चाहिए: धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को विधायिका के सभी सदस्यों से देश की संविधान सभा में देखे गए व्यवहार का पालन करने का आग्रह किया, जिसके तीन साल के कार्यकाल के दौरान लेशमात्र भी व्यवधान नहीं हुआ था।

यहां आकाशवाणी रंग भवन में राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान-2023 में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने यह भी कहा कि देश में एक बड़ा बदलाव आया है, जो 2014 में शुरू हुआ था।

धनखड़ ने कहा, मैं राजनीति की ओर इशारा नहीं कर रहा। लेकिन भारत जैसे विशाल देश में अगर राजनीतिक स्थिरता हो तो लोगों की प्रतिभाएं सही दिशा में आगे बढ़ती हैं। तीन दशक बाद 2014 में वो मौका आया जब भारत को एक मजबूत एकदलीय सरकार मिली। उन्होंने कहा, और परिणाम क्या हुआ? भारत में निर्मित यूपीआई को कई देशों ने अपनाया है, भारत विश्व स्तर पर नए मानक स्थापित कर रहा है जिसे दुनिया ने मान्यता दी है, भारत एजेंडा तय करने वाला बन गया है। दुनिया हमारी तरफ देख रही है कि किसी मुद्दे पर हमारा क्या नजरिया है।

संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में राजेंद्र प्रसाद के तीन साल के कार्यकाल की सराहना करते हुए धनखड़ ने कहा कि उन्होंने सदन को इस तरह चलाया कि प्रत्येक सदस्य अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन कर सका। उन्होंने कहा, समस्याएं, मतभेद और अलग-अलग दृष्टिकोण थे, लेकिन तीन साल तक आपने (भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद) सदन को इस तरह से चलाया, जिसकी वजह से हमें अद्भुत संविधान मिला। संविधान सभा के तीन वर्षों में लेशमात्र भी व्यवधान नहीं हुआ, सकारात्मक चर्चा हुई। इसमें शायद ही कोई व्यवधान था और सर्वसम्मति ही इसका आधार थी। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से विधायिका के सभी सदस्यों से आग्रह करता हूं कि उन्हें संविधान सभा के आचरण का पालन करना चाहिए। यह हमारे देश और दुनिया के लिए फायदेमंद होगा।

भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए संविधान सभा की स्थापना की गई थी। इसकी पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को नई दिल्ली में हुई और इसका अंतिम सत्र 24 जनवरी, 1950 को आयोजित किया गया।

धनखड़ की टिप्पणी सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र से पहले आई है।

अरुणाचल राजभवन ने मनाया असम स्थापना दिवस

ईटानगर/वार्ता। अरुणाचल प्रदेश राजभवन ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक की अध्यक्षता में शनिवार को असम का स्थापना दिवस 'असोम दिवस' उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया। अरुणाचल के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक और उनकी पत्नी अनाघा परनाइक ने पहाड़ी राज्य में रहने वाले असम के लोगों तथा राज्य की राजधानी के विभिन्न स्कूलों के बच्चों के साथ उत्सव में भाग लिया।

असम के लोगों को उनके स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए, राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि दोनों पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के बीच निरंतर सद्भावना और सांस्कृतिक समानता के साथ, सीमा संबंधी छोटे-मोटे विवाद जल्द ही हल हो जाएंगे। असम की समृद्ध और जीवंत सांस्कृतिक विरासत को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि असम उत्तर पूर्व का 'मातृ राज्य' है।

इस अवसर पर उन्होंने महान असमिया योद्धा लाचित बोरफुकन और सांस्कृतिक प्रतिपादक 'भारत रत्न' डॉ. भूपेन हजारिका को भी याद किया। राज्यपाल ने असम की उपलब्धियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि यह पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों और देश को प्रेरित करता है। उन्होंने लाचित बोरफुकन पर 42.9 लाख हस्तलिखित नोट्स और एक स्थान पर 'बिहू' नृत्य और 'ढोल' बजाने वाले 11000 से अधिक नर्तकियों और ढोल वादकों की भागीदारी के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स हॉल ऑफ फेम का उल्लेख किया है।

राज्य में अपराधी-पुलिस गठजोड़ को सत्ताधारी का संरक्षण :बाबूलाल मरांडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/वार्ता। झारखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य की विधि व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है,अपराधियों और पुलिस में गठजोड़ हैतथा इस गठजोड़ को राज्य की सत्ता का संरक्षण प्राप्त है।

मरांडी ने आज धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर पार्टी द्वारा आयोजित जनाक्रोश रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में जब से हेमंत सोरेन की सरकार बनी है अपराधियों,भ्रष्टाचारियों का मनोबल बढ़ा है। इस मामले में हेमंत है तो हिम्मत है का नारा चरितार्थ हो रहा। मरांडी ने कहा कि धनबाद अपराध का केंद्र बन गया है। कोयले की लूट मची है।आजाद भारत में सर्वाधिक कोयले की लूट हेमंत सरकार के चार वर्षों के कार्यकाल में हुई है।उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार केवल कोयला ,बालू , पत्थर की लूट से ही कमाने में नही जुटी है बल्कि अपराधियों से भी कमा रही है।

हेमंत सरकार अपराधियों को जेल में गैर कानूनी सुविधा मुहैया करा रही।अपराधी जेल से रंगदारी मांग रहे। अपराधियों का विदेशों से भी कनेक्शन उजागर हुआ है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन को लाखों रूपए की कमाई धनबाद से हो रही। राज्य से व्यापारी पलायन कर रहे। छोटे छोटे व्यावसायियों ,ठेला खोमचा वालों से भी अपराधी वसूली कर रहे,और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने आपदाओं से निपटने के लिए तीन नये एसडीआरएफ का किया गठन

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेशवासियों को आपदा (बाढ़, सूखा, भूकंप, आकाशीय बिजली) के दौरान जल्द से जल्द राहत पहुंचाने एवं जनहानि को रोकने के लिए तीन नये राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) का गठन किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इसके अलावा 11 आपदाओं को राज्य आपदाओं की सूची में शामिल किया गया है, जिनमें नौका दुर्घटना, सर्पदंश, सीवर सफाई, गैस रिसाव, बोरवेल में गिरना, मानव वन्य जीव द्वन्द, नदी में डूबना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आपदाओं से बचाव व आम लोगों को जागरूक करने के लिए ग्राम स्तर पर राहत चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। राहत आयुक्त जी.एस. नवीन ने शनिवार को एक बयान में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को बाढ़, अचानक आई बाढ़, मच्छर जनित बीमारियों, औद्योगिक दुर्घटनाओं, भूकंप, नाभिकीय खतरों समेत किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन तंत्र को और मजबूत बनाने के निर्देश दिये थे। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में प्रदेश में तीन नये राज्य आपदा मोचन बल का गठन किया जा रहा है। वहीं नये बलों के लिए 80.75 करोड़ रुपये से उपकरण एवं 9.99 करोड़ रुपये से वाहन खरीदे जा रहे हैं।

प्रदेश में भूमाफियाओं के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई: जयवीर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनपुरी/वार्ता। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि प्रदेश में भूमाफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। तहसीलों में दबंगई ,गुण्डागर्दी के बल पर कमजोर लोगों की भूमि पर कब्जा करने की तमाम शिकायतें मिल रही हैं। अधिकारी अवैध कब्जे तत्काल खाली करवाएं।

मंत्री जयवीर सिंह ने आज मैनपुरी में जनता की शिकायतें सुनने के बाद कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को दिलाने के लिए संकल्पित है और अधिकारी सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करें। जन-सुनवाई के दौरान निरंतर आवास योजना का लाभ पाने के लिए शिकायती प्रार्थना पत्र शिकायतकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे है, जिससे प्रतीत होता है कि अभी जनपद में तमाम पात्र लोग आवास योजना का लाभ पाने से वंचित है, पूर्व में प्रत्येक विकास खंड पर आवास पात्रता सूची प्रदर्शित कराए जाने हेतु भी निर्देशित किया जा चुका है ताकि पात्र लाभार्थियों को जानकारी हो सके ।

तमाम शिकायतकर्ता जानकारी के अभाव में भी शिकायत कर रहे हैं जबकि उनका नाम पात्रता सूची में शामिल है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विकास खंडो पर आवास पात्रता सूची प्रदर्शित रहे, पात्रता सूची में शामिल पात्र लाभार्थियों को इसकी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए और उन्हें बताया जाए कि लक्ष्य प्राप्त होते ही उन्हें योजना में लाभान्वित किया जाएगा।

पर्यटन मंत्री ने सार्वजनिक, निजी भूमि पर अनाधिकृत कब्जों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी सार्वजनिक, निजी भूमि पर कोई दबंग व्यक्ति का कब्जा न रहे, गुण्डई, दबंगई के बल पर भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों को चिन्हित कर उन्हें भू-माफिया घोषित कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाए लेकिन भूमि पर अनाधिकृत कब्जे की भी शिकायतें निरंतर मिल रही है, राजस्व, पुलिस विभाग के अधिकारी अनधिकृत कब्जों के प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही करें, तत्काल अनाधिकृत कब्जे हटवाकर पात्र को कब्जा दिलायें, एक बार कब्जा दिलाने के बाद यदि किसी के द्वारा पुनः कब्जा किया जाए तो उसके विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज कराई जाए। उन्होने कहा कि अधिकारी जन-शिकायतों के समयबद्ध, गुणवत्तापरक निस्तारण के लिए प्रभावी कार्यवाही करें।

सीओपी28: विकासशील देशों ने जलवायु परिवर्तन से बेहतर ढंग से लड़ने के लिए अमीर देशों पर दबाव डाला

दुबई/एपी। संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को विकासशील देशों के नेताओं ने अमीर देशों से 'ग्लोबल वार्मिंग' से निपटने के तौर-तरीके साझा करने और वित्तीय बोझ को कम करने का आग्रह किया। यह वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन का 28वां संस्करण है, इसलिए इसे सीओपी28 का नाम दिया गया है। शुक्रवार को सम्मेलन में विभिन्न देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राष्ट्राध्यक्षों ने ताप में वृद्धि करने वाले उत्सर्जन को घटाने के लिए अपनी योजनाएं पेश कीं और करीब आती दिख रही जलवायु त्रासदी को रोकने के लिए एक-दूसरे से साथ आने का आग्रह किया। सत्र ज्यादातर विकासशील देशों पर केंद्रित रहा। कई अफ्रीकी नेताओं ने कहा कि उनके महाद्वीप में वर्षावन वायु में अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने में मदद करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके देश अमीर देशों की तुलना में बहुत कम उत्सर्जन करते हैं। उप-सहारा अफ्रीका के सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों में से एक इक्वेटोरियल गिनी के राष्ट्रपति तेओडोरो ओबियंग न्गुएमा म्बासोगो ने जलवायु कार्रवाई के लिए वित्तपोषण से संबंधित प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और उद्योगों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहने पर विकसित देशों की आलोचना की।

'विश्व कप में मिली निराशाजनक हार के बाद टी20 शृंखला जीतकर खुश हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ ने कहा कि आक्रामक और निर्भीक रवैये की बदौलत भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में जीत दर्ज करने में सफल रही। उन्होंने साथ ही उम्मीद जतायी कि वनडे विश्व कप फाइनल में मिली निराशाजनक हार के बाद खेल प्रेमियों के लिए यह खुशी का मौका होगा।

भारत ने शुक्रवार को चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आस्ट्रेलिया को 20 रन से हराकर पांच मैचों की शृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत ने नौ विकेट पर 174 रन का स्कोर बनाया था जिसमें गायकवाड़ ने 28 गेंद में 32 रन की पारी खेली। उन्होंने 'जियोसिनेमा' से कहा, ''मुझे लगता है कि हम सभी के लिए खुद को अभिव्यक्त करना और खेल का लुत्फ उठाना महत्वपूर्ण था। प्रत्येक खिलाड़ी ने प्रत्येक चरण में अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसलिये हम नतीजे से खुश हैं लेकिन अभी एक मैच और बचा है। '' विश्व कप की निराशा के बाद क्या चर्चा हुई, इस बारे में पूछने पर गायकवाड़ ने कहा, ''चर्चा का लब्बोलुवाब यही था कि बस निर्भीक और आक्रामक खेलो। विश्व कप टीम के दो तीन सदस्य हमारे साथ थे। '' उन्होंने कहा, ''टीम में सकारात्मक माहौल था क्योंकि हम घरेलू टूर्नामेंट खेलकर आ रहे हैं और हर खिलाड़ी ने इसमें अच्छा प्रदर्शन किया था। हर खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा था।''

रोनाल्डो को हार के बाद सुनने पड़े 'मेसी, मेसी' के नारे

रियाद (सऊदी अरब)/एपी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मौजूदगी के बावजूद अल नासर को सऊदी अरब फुटबॉल प्रो लीग में अल हिलाल के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद विजेता टीम के प्रशंसकों ने 'मेसी, मेसी' के नारे लगाकर पुर्तगाल के इस सुपरस्टार पर ताने कसे।

मेसी का इस मैच से कोई लेना-देना नहीं था लेकिन पिछले दो दशक से रोनाल्डो और उनके बीच फुटबॉल के मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है। यही वजह थी कि पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो जब मैदान से बाहर निकल रहे थे तो अल हिलाल के प्रशंसक अर्जेंटीना के सुपरस्टार का नाम लेकर उन्हें चिढ़ा रहे थे। रोनाल्डो इस मैच में अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि विजेता टीम की तरफ से अलेक्जेंडर मित्रोविच ने दो और सर्बिया के उनके साथी सर्गेज मिलिनकोविच सैविच ने एक गोल किया। रियाद की इन दो टीमों के बीच मुकाबले से पहले हालांकि प्रशंसक रोनाल्डो के समर्थन में नारे लगा रहे थे।

उत्तर प्रदेश : मायावती ने जातीय जनगणना को लेकर जरूरी कदम उठाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने देश में जातीय जनगणना की मांग करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार के लिए अब इस मुद्दे पर बिना देरी के सकारात्मक कदम उठाना जरूरी हो गया है।

बसपा प्रमुख ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ' चार दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के आगामी शीतकालीन सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक में बीएसपी द्वारा सरकार से देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग की गयी। अब जबकि इसकी मांग देश के कोने-कोने से उठ रही है, केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में अविलम्ब सकारात्मक कदम उठाना जरूरी हो गया है।' उन्होंने कहा, ' महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था से त्रस्त व जातिवादी शोषण-अत्याचार से पीड़ित देश के लोगों में जातीय जनगणना के प्रति जो अभूतपूर्व रुचि/जागरूकता है वह भाजपा की नींद उड़ाए है तथा कांग्रेस अपने अपराधों पर पर्दा डालने में व्यस्त।' मायावती ने कहा, ' वैसे विभिन्न राज्य सरकारें 'सामाजिक न्याय' की दुहाई देकर आधे-अधूरे मन से जातीय जनगणना कराकर जनभावना को काफी हद तक साधने का प्रयास कर रही हैं लेकिन इसका सही समाधान तभी संभव है जब केन्द्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर सही जातीय जनगणना कराकर लोगों को उनका हक देना सुनिश्चित करेगी।'

चोट के कारण विश्व कप से बाहर होने से निराश था: अक्षर पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल ने स्वीकार किया कि चोटिल होने के कारण वनडे विश्व कप से बाहर होने से वह निराश थे और इससे उबरने में उन्हें एक सप्ताह का समय लगा।

इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया था लेकिन एशिया कप के दौरान वह चोटिल हो गए थे जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। उनकी जगह रविचंद्रन अश्विन को विश्व कप की टीम में शामिल किया गया था। अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''निश्चित तौर पर इससे किसी को भी निराशा होती। विश्व कप भारत में हो रहा था लेकिन मैं चोटिल हो गया। शुरुआत के कुछ दिनों तक में इसके बारे में सोच रहा था कि चोट के कारण मैं नहीं खेल पा रहा हूं। '' उन्होंने कहा,''लेकिन टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही थी इसलिए 5-10 दिन बाद मैंने फिर से अभ्यास शुरू कर दिया। लेकिन जब आप चोट के कारण बाहर हो जाते हैं और उन 5-10 दिन में कुछ भी नहीं कर पाते हैं तो आपको बुरा लगता है। इसके बाद मैंने अपनी पुरानी दिनचर्या शुरू कर दी थी।''

झारखंड में महिला को 'डायन' बताकर मार डाला

मेदिनीनगर/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में जादू-टोना करने के संदेह में 48 वर्षीय एक महिला को उसके परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चैनपुर थाना क्षेत्र के बसरियाकला गांव में शुक्रवार रात को हुई घटना को लेकर महिला के देवर और उसके दो बेटों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने कहा कि विधवा महिला की उसके देवर ने डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। उन्होंने कहा,'देवर ने इसके बाद अपने दो बेटों की मदद से महिला का शव गांव के कुएं में फेंक दिया।' पुलिस अधिकारी ने कहा कि हत्या में इस्तेमाल किया गया डंडा बरामद कर लिया गया है, जिसपर खून के निशान हैं। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एमएमसीएच) भेजा गया है।

उत्तर प्रदेश : नकली भारतीय करेंसी का कारोबार करने वाले सात लोग गिरफ्तार

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में सोशल मीडिया के माध्यम से नकली भारतीय करेंसी का कारोबार करने वाले एक गिरोह के सात लोगों को गैंगस्टर एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फैज खान उर्फ नवाब, आदित्य गुप्ता, आयुष गुप्ता, शिबू खान, हरिओम अत्री, मोबिन तथा अरविंद कुमार सिंह उर्फ सिंघानिया के रूप में हुई है। नोएडा थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 11 अप्रैल वर्ष 2023 को थाना पुलिस ने इस मामले में खुलासा करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि बाद में दो व्यक्ति की और गिरफ्तारी हुई थी। अधिकारी ने बताया कि इनके पास से पुलिस ने छह लाख 48 हजार की भारतीय नकली मुद्रा बरामद की है।

श्रेयस और चाहर के प्रदर्शन पर होगी निगाह, वाशिंगटन को मिल सकता है मौका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। शृंखला में पहले ही अजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका के दौरे को ध्यान में रखकर श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर के प्रदर्शन पर विशेष गौर करेगी।

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 10 सितंबर से टी20 शृंखला खेलनी है जिसमें अय्यर और चाहर की भूमिका अहम होगी। अय्यर ने वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रायपुर में शुक्रवार को उन्होंने पिछले एक साल से भी अधिक समय में अपना पहला टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेला।

इस मैच में उन्होंने सात गेंद का सामना करके आठ रन बनाए जिनमें कोई बाउंड्री शामिल नहीं है। इसलिए दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले अय्यर चिन्नास्वामी स्टेडियम में

बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कुछ दिन पहले ही वनडे विश्व कप में इस मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ शतक लगाया था। अय्यर की तरह चाहर ने भी चोटिल होने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी की है। रायपुर में खेला गया मैच उनका टी20 प्रारूप में भारत की तरफ से पिछले साल अक्टूबर के बाद पहला मैच था। इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने टिम डेविड और मैथ्यू शॉर्ट के विकेट लेकर प्रभाव डाला, लेकिन उन्होंने अपने चार ओवर के कोटे में 44 रन दिए।

चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच उनके अनुकूल नहीं हो सकती है लेकिन अपनी विविधता पूर्ण गेंदबाजी के कारण चाहर सफलता हासिल कर सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले टीम प्रबंधन ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर को भी इस मैच में मौका दे सकता है। वाशिंगटन भी पिछले कुछ समय से चोटों से परेशान रहे हैं। उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है जिन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। भारत की तरफ से बल्लेबाजी में कप्तान सूर्यकुमार यादव, रुतुराज गायकवाड़, रिंकू सिंह, यशस्वी जयसवाल और इशान किशन ने अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले मैच में किशन की जगह खेलने वाले जितेश शर्मा ने भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलुरु/भाषा। भारतीय जूनियर हॉकी टीम के उप कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल ने शनिवार को यहां कहा कि हाल में महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम का हौसला बढ़ा हुआ है और उसे पांच दिसंबर से कुआलालंपुर में शुरू होने वाले जूनियर विश्व कप में बेहतर परिणाम की उम्मीद है। भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में अपना पहला मैच पांच दिसंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगी।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार अरिजीत ने टीम के रवाना होने से पहले कहा,''भुवनेश्वर में खेले गए पिछले विश्व कप के बाद भारतीय टीम ने काफी प्रगति की है। हमने सुल्तान जोहोर कप 2022 और जूनियर एशिया कप जीता तथा हाल में सुल्तान जोहोर कप में तीसरे स्थान पर रहे।'' उन्होंने कहा,'' इसलिए हम जूनियर विश्व कप जीतने में सक्षम हैं। यह सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करने से जुड़ा हुआ है।'' भारत को पूल सी में स्पेन, कोरिया और कनाडा के साथ रखा गया है। गत चैंपियन अर्जेंटीना को चिली, ऑस्ट्रेलिया और मेजबान मलेशिया के साथ पूल ए में रखा गया है। पूल बी में जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और मिस्र, जबकि पूल डी में नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और पाक को रखा गया है। भारत 2021 में भुवनेश्वर में खेले गए टूर्नामेंट में फ्रांस से हारने के कारण चौथे स्थान पर रहा था।

सुविचार

ख्वाहिशों से नहीं गिरते है फूल झोली में, कर्म की शाख को हिलाना होगा, कुछ नहीं होगा कोसने से किस्मत को, अपने हिस्से का दिया खुद ही जलाना होगा।

ट्वीट

राजस्थान में चुरू के सरदारशहर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में कई लोगों के निधन व घायल होने की खबर से मन व्यथित है। ईश्वर से शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने व घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

संगठन कौशल की मिसाल भाजपा के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी को जन्मदिवस की अपार बधाई, अशेष शुभकामनाएं! आपकी कर्मठता से पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रेरित है। भारत और भाजपा की सेवा के पथ पर आपसे मिला मार्गदर्शन अमूल्य होता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

संदर्भ

भोपाल गैस त्रासदी के 39 बरस

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 39 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया और उनका अंतिम संस्कार किया गया जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे।

एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 39 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे।

हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। 3 दिसम्बर 1984 को इसी कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का रिसाव हुआ था। गैस के रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फेंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी, सिर चकरा रहा था, बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे।

भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 39 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। हादसे से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रूख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई।

कहानी

पेड़ का तबादला

अंजना वर्मा

सुदूर कहीं निर्जन में एक अनाम पेड़ था जिसे वहाँ के लोग अब तक पहचान नहीं सके थे। धरती की गहराई से एक जीवन निकला था- हरे रंग का जीवन, एक बिरवा। कोमल-कोमल दो चार पत्तियों को लेकर इठलाता हुआ। उसके भीतर पूरी जिजीविषा भरी हुई थी। वह अपने चारों ओर फैले निसर्ग को बड़े कौतूहल के साथ देखता, पहचानता और स्वीकार करता। उसे यह दुनिया बहुत प्यारी लगती थी और घटित होने वाली एक-एक बात उसे जीने के लिए प्रेरित करती थी। बच्चे की तरह वह अपने परिवेश को जानने और समझने की कोशिश करता था और एक-एक रहस्य पर से पर्दा उठाकर देखना चाहता था कि यह हो रहा है तो कैसे? यह क्या है? वह क्या है? इस तरह की जिज्ञासाओं की कमी न थी उसके दिल में। बीतते हुए हर दिन के साथ वह कुछ-न-कुछ नया सीखता था। कई बातें उसने गिरह बाँधकर रख ली थीं वे बातें जिनसे उसकी सुरक्षा जुड़ी हुई थी। ऐसे स्थावर होने के नाते उसकी बहुत सारी मजबूरियाँ थीं, पर उसे तो अपने अस्तित्व की सीमाओं के भीतर ही जीना था। अपने चारों ओर की संवेदनाओं को वह पूरी ऊर्जा के साथ ग्रहण करता था और उसके एहसास बहुत घने होते थे। जब वह सुखी होता तो हँस लेता, दुखी होता तो रो लेता। केवल बोल नहीं सकता था, चल नहीं सकता था। वह बाल-पेड़ बढ़ रहा था और उसे बढ़कर एक वृक्ष बना जाना था।

कालक्रम से वह बढ़ता भी गया। और जैसे-जैसे बढ़ता गया, वैसे-वैसे अपने चारों ओर के वातावरण, अपने साथी-समाज का ज्ञान उसे होता गया। वह धीरे-धीरे बहुत कुछ सोचने-समझने लगा कि दुनिया क्या है? अपने चतुर्दिक खड़े पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं को पहचानने लगा। मौसमों का आना-जाना भी समझने लगा, इस तरह कि ऋतुओं का पूर्वाभास भी उसे होने लगा। कब किस मौसम में उसके चारों ओर का परिवेश क्या रूप ले लेगा, उसे मालूम रहता था।

जब वह एक छोटा झुरमुट था तो छोटी-छोटी चिड़ियाँ आतीं और उसकी डालों पर बैठकर फुदकतीं। चीं-चीं-चीं-चीं बोलतीं और उड़ जातीं। तितलियाँ आतीं और उसकी पत्तियों को छूती हुई निकल जातीं। कई पंछी उसे अपनी रात का बसेरा-बसेरा बनाए हुए थे। कितने कीड़े-मकोड़े उसकी डालियों पर रेंगते या चलते। किशोरावस्था में ये सारी गतिविधियाँ और बढ़ गई और उसे यह सब बड़ा अच्छा लगने लगा, क्योंकि जिंदगी का हर अनुभव उसके लिए अभी नया-नया था। उसे दुनिया की सारी बात नई लगती। इन्हीं अनुभवों में कुछ अनुभव प्रिय होते, कुछ सामान्य, कुछ अप्रिय, कुछ पीड़ादायक। पंछी-प्राणियों का उसके पास आना, उससे मिलना-जुलना उसे बहुत सुख पहुँचाता था। हवाएँ और हल्की धूप भी सुख देती थीं। प्रचंड सूर्य-किरणों से कष्ट तो होता था, परंतु वह उनसे जूझना सीख रहा था। तब वह अपने पैरों से जमीन के कलेजे की सरसता टटोलने लगता और जमीन से ठंडक पाकर सूर्य से लड़ता। हाँ, आँधी से उसे कठिन पीड़ा होती। वह जैसे समूल उखाड़कर उसे नष्ट कर देना चाहती थी। उसकी डालियों को थप्पड़ लगाती, हिलाती-झुकाती, उड़ाने लगती। तब वह बेबस हो जाता। उसे भय लगता था तेज आँधियों से। वर्षा तो उसकी दोस्त थी। बचपन से उसे जीवन-दे रही थी, परंतु कभी-कभी वह भी क्यों दुश्मन बन आँधी का साथ देने लगती थी? यह बात उसकी समझ में नहीं आती थी। उसके दिन बड़े मजे में गुजर रहे थे। उसके चारों ओर कई अन्य पेड़ थे और पैरों के पास हरी दूबों से भरी

धरती थी जिसमें लड़के अपनी गायों और भेड़ों को लेकर चराने चले आते थे। उन चौपायों को वह निर्विकार भाव से निहारता। कोई-कोई गाय उसकी पत्तियाँ चर जाती तो उसे बहुत पीड़ा होती। वह सोचने लगता कि उस चरवाहे के पास दो हाथ हैं जिनसे वह अपनी रक्षा के साथ-साथ बहुत-कुछ कर सकता है यानी जो चाहे वही कर सकता है। उसके दो पैर भी हैं जिनसे वह चलकर कहीं से कहीं चला जा सकता है। उसे आश्चर्य होता कि कैसे इन्हीं दो पैरों पर वे अपने अस्तित्व को उठाए कहीं से कहीं पहुँच जाते हैं। यह सुख उन जैसे वृक्षों और पौधों को नहीं मिलता। उसके समान जो अन्य पेड़-पौधे हैं वे जमीन में गड़े हुए हैं और गतिशील नहीं हो सकते। उन्हें तो मजबूर होकर अपनी जगह के ही हवा-पानी में रहना है, उसी जमीन पर उसी जगह कीलित रहना है। खैर, यह तो प्रकृति का बना हुआ विधान है। जिसमें कोई इधर से उधर नहीं कर सकता। चलो, यदि उन सबों को जीना है तो इसी तरह जीना है। वे चरवाहे अक्सर उसकी डालियों पर चढ़ जाते जिनका भार उठाना उसे बुरा नहीं लगता था, क्योंकि उसके पास जितनी शक्ति थी उसकी तुलना में उन बच्चों का, या कभी-कभी सयाने का भी भार क्या था? पर उनसे उसे खीझ होती थी कि बैठेंगे ठंडी छाँह में पर उसके प्रति कृतज्ञ होने के बजाय अपने ढोरों से चरवाएँगे उसकी पत्तियाँ! उफ! ये मनुष्य भी न... सिर्फ अपनी ओर से सोचते हैं। और मनुष्य ही क्यों? सब अपनी ओर से सोचते हैं। मनुष्य हर-हमेशा जीत इसलिए जाता है कि उसके पास कुटिल बुद्धि का अपरिमित खजाना है। यह सोचते ही अनाम पेड़ मुस्कुरा उठा।

पर उसके बाद से उसे मनुष्यों और चरने वाले पशुओं से डर लगने लगा कि न जाने कब मनुष्य उसे काट दे या पशु उसे चर जाएँ। पर वह कर कुछ नहीं सकता था। पैर तो थे नहीं जो जानवरों की तरह भाग सकता। मुँह तो था नहीं जो अपनी हँसी-व्यथा बयान कर सकता था या चिल्लाकर किसी को अपनी सहायता के लिए बुला सकता? सिर्फ सोच और समझ सकता था। पर यह भी सच था कि उसे अपनी दुनिया बहुत अच्छी लगने लगी थी। एक दिन दो चरवाहे लड़के आए और उसकी छाया में बैठ कर बातें करने लगे। वह उन दोनों की बातें बड़े ध्यान से सुनने लगा। उनमें से एक ने कहा, मालूम है? शहर में पेड़ लगाए जा रहे हैं। उसके लिए पेड़ों को उखाड़-उखाड़कर मँगवाया जा रहा है।' दूसरे ने कहा, हें... पेड़? पेड़ लगेंगे? कि पौधे लगते हैं?''

पेड़... पेड़! पेड़ लगाए जा रहे हैं। बड़े-बड़े पेड़।'' तो इन्हें उखाड़ेगा कौन?'' मशीन! ये मशीन से उखाड़ लिए जाते हैं और ट्रक पर लादकर ले जाया जाता है उन्हें। फिर रोप दिया जाता है।'' ''हाँ... ऐसा क्या?''

हाँ... ऐसा...! ऐसा होता है।'' दूसरे लड़के का मुँह आश्चर्य से खुला रह गया।

इधर यह सुनते ही अनाम पेड़ की पत्तियाँ हिलने लगीं। पेड़ भय से काँपने लगा। वह सोचने लगा क्या पता उसे भी उखाड़ लिया जाए? ना... ना...ऐसा न हो। ऐसा न हो... वह दिल में मनाने लगा। उसे उन दोनों लड़कों की बातों पर विश्वास हो गया था कि जब वे बोल रहे हैं तो सही ही बोल रहे हैं। अब वह डर के मारे सहमा-सहमा रहने लगा था। न हवा अच्छी लगती थी, न अपने माहौल की कोई अन्य चीज। बस एक ही चिंता समाई हुई थी कि कहीं उसे उखाड़ न लिया जाए। उस लड़के के शब्द याद आ रहे थे... हें! पेड़ लगेंगे कि पौधे लगते हैं?' ''पेड़... पेड़! पेड़ लगाए जा रहे हैं।'' मशीन! ये मशीन से उखाड़ लिए जाते हैं... फिर रोप दिया जाता है।''

उसे दुख हुआ अपने अस्तित्व पर। उसके पास पैर नहीं... नहीं तो वह दौड़कर कहीं भाग जाता और छुप जाता। और सचमुच वह दिन आ गया। उस दिन कुछ लोग आए और पेड़ों का चुनाव करने लगे। एक ने उसे देखकर कहा अरे! यह देखो तो? यह कौन-सा पेड़ है? ''कैसा खुबसूरत है? यहाँ इसे कौन देख रहा है?''

हाँ सचमुच! ऐसा पेड़ मैंने नहीं देखा। इसकी पत्तियों का कटाव देखो और इसका हरापन देखो। ''...आखिर इसका नाम क्या है?'' ''पता नहीं क्या है? ...क्यों न इसे ही ले चलें?'' ''नहीं, कहीं यह विरल जाति का पेड़ है उखड़ने से कही सूख न जाए!''

नहीं इसे हम ध्यान से रोपेंगे और इसका ख्याल रखेंगे। यह सुनकर पेड़ रोने लगा। उसकी पत्तियाँ हिल-हिल कर छटपटाने लगीं। कुछ दिनों बाद वह ट्रक पर लदा हुआ भागा जा रहा था। बिना पैरों के ही दौड़ रहा था। गति... गति... गति... इतनी तेज गति। सारी पृथ्वी उसे घूमती हुई मालूम पड़ रही थी। उसे चक्कर आ रहे थे। एक जगह पहुँचकर रोपा गया उसे।

उसे दूसरी धरती मिली। बिना वर्षा के ही पानी मिल गया। अब वह खड़ा था एक सड़क के किनारे मनुष्य की गुलामी करता हुआ। उसकी सड़कों को ठंडक पहुँचाता हुआ। हरित महानगर के हरे सपने को पूरा करता हुआ। उसने कभी इस दिन की कल्पना भी न की थी। कहाँ पहले वह जी रहा था अपनी दुनिया में जहाँ उसे जरूरत न थी अन्य कुछ की। सब कुछ था उसके चारों ओर। अद्भुत प्रकृति और प्रकृति का लाड़-प्यार। और कहाँ यह पंछियों और जीवों से शून्य लोहे और कंकड़-पत्थर की नगरी जहाँ रंग-बिरंगी गाड़ियाँ ही दौड़ रही थीं चारों ओर। उससे नजर उठी तो मनुष्य पर गई। कभी-कभार गायें और कुत्ते भी दिख जाते थे। परंतु सब जैसे अपनी मंजिल से दूर दीन-हीन बने भटक रहे हों। वह कहाँ आ गया था? यह कौन सी दुनिया थी?

वह याद करता पंछियों को, छोटे-छोटे प्राणियों को। पंछी यहाँ भी थे, पर ये दूसरे किस्म के थे। फिर वह हरी-भरी दुनिया, ठंडी बहती हुई हवा, उसकी छाया में सुस्ताते चौपाए, गरीब चरवाहे। उसके भाई-बंधु, आत्मीय पेड़-पौधे सब सपने हो गए। सड़क के किनारे खड़ा, वह प्रतिपल अपने अतीत को याद करता रहता था।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

जमघट...मरघट..!

नदी किनारे की एक पुलिया के नीचे से गुज़र रहा हूँ। ऊपर महामार्ग, रेलवे पटरियाँ, मेट्रो ट्रैक हैं। नीचे नदी बहती है। इसी पुलिया से 'यू' मोड़ लेकर आगे जाना पड़ता है।

सुबह का समय है। आसपास की मांसाहारी होटलों से निकले प्राणियों के अवशेष इस पुलिया के इर्द-गिर्द बिखरे पड़े हैं। कौवे और चील इन छोटे-छोटे हिस्सों पर मंडरा रहे हैं, अपनी चोंच में भर रहे हैं। रोज़ाना सुबह इसी पुलिया के नीचे से गुज़रना पड़ता है। रोज़ाना इसी दृश्य को देखना पड़ता है। एक तरह का आदिम मरघट है यह।

किसी भी देह का इस तरह का विदारक अंत भीतर तक हिला देता है। थोड़ा-सा आगे निकलता हूँ। अभी पुलिया पार नहीं कर पाया हूँ। देखता हूँ कि मुर्गों से भरा एक ट्रक चला आ रहा है। अपने-अपने पिंजरों में क़ैद अपने अंत की ओर बढ़ते मुर्गे। इन प्राणियों ने अपनी प्रजाति के इन अवशेषों को देखा-समझा-जाना है या नहीं, पता नहीं चलता। वे अपने में मग्न हैं। एक तरह का शाश्वत जमघट है यह।

चलते ट्रक में लगा जमघट है, ठहरी पुलिया के नीचे थमा मरघट है। जीवन के पनघट पर अनादिकाल से इसी दृश्य का साक्ष्य और पात्र बनता हर घट है।

देहरूपी घट की यही कथा सार्वकालिक है, सार्वजनीन है। यात्रा मरघट की, तृष्णा जमघट की। जमघट का आनंद लेना वांछित है, अधिकारों का उपभोग, कर्तव्यों का निर्वहन भी अनिवार्य है। तथापि अपने अंत को जानते हुए विशेषकर बुद्धितत्व के धनी मनुष्य का इस देहयोनि को सार्थक नहीं कर पाना, उसकी मेधा पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

हर जीव जानता है कि उसका जीवन बीत रहा है। मेधावी चिंतन करता है कि जीवन बीत रहा है या रीत रहा है?

विशेष बात यह कि बीतना और रीतना की गुत्थी को सुलझाने का चमत्कारी सूत्र भी मनुष्य के ही पास है। चमत्कारी इसलिए कहा क्योंकि वाह्य जगत का बीज अंतर्जगत में है। जिस दृश्य को बाहर देख रहे हो, वह भीतर का रेपलिका या प्रतिकृति भर है। कबीर लिखते हैं,

या घट भीतर अनहद बाजे,
या ही में उठत फुवारा,
ढूँढ़े रे ढूँढ़े अँधियारा।

जीवन को रीता रखोगे या घटी-पल के नित बरते जा रहे रिक्थ पर टिके अपने घट को समय रहते सार्थकता से लबालब करोगे, इसका निर्णय तुम्हें स्वयं करना है।

बोध कथा

सात परियां

शेख चिल्ली बहुत ही गरीब परिवार से था। वह पढ़ाई-लिखाई में भी बहुत कमजोर था। अगर वो किसी चीज में माहिर था, तो वो था दिन भर बस खेल-खूद करना। अपना सारा समय वह मोहल्ले के लड़कों के साथ कंचे खेलने में बिता देता था। इसी तरह उसका पूरा बचपन बीत गया। धीरे-धीरे वह बड़ा होता चला गया लेकिन उसकी आदतें नहीं बदली।

शेख चिल्ली की इस आदत से उसकी मां बहुत परेशान थी। वह चाहती थी शेख चिल्ली अब बड़ा हो गया है, तो उसे कुछ काम-धंधा करना चाहिए, ताकि घर की हालत सुधर सके। एक दिन उसने शेख चिल्ली को बुलाया और खूब डांड लगाते हुए कहा कब तक तू दिन भर ऐसे ही मोहल्ले के आवारा लड़कों के साथ कंचे खेलेगा? अब तो तू बड़ा हो गया है और हट्टा-कट्टा भी है, तो तू कोई नौकरी क्यों नहीं करता है। कब तक ऐसे घर बैठे-बैठे मुफ्त की रोटियां खाएगा?

मां की बात सुनकर शेख चिल्ली ने कुछ भी नहीं कहा। वह चुपचाप उनके आदेशों का पालन करते हुए अगले दिन नौकरी की तलाश में दूसरे गांव के लिए निकल पड़ा। शेख चिल्ली की मां ने उसके थैले में रास्ते के लिए सात रोटियां बांध दी। इसके बाद शेख चिल्ली आगे की ओर निकल पड़ा।

शेख चिल्ली ने आधा ही रास्ता तय किया था कि उसे भूख लग गई। वह एक कुएं के पास ठहरा और अपने थैले से रोटियां निकाल कर खाने के लिए बैठ गया। मां की दी हुई सात रोटियों को देखकर वह कहने लगा एक खाऊं, दो खाऊं, तीन खाऊं कि सातों को खा लूं। संयोग से उसी कुएं में सात परियां भी रहती थीं। शेख चिल्ली की खाने वाली बात सुनकर वे घबरा गईं। उन्हें लगा कि वह उन परियों को खाने की बात कर रहा है। डर के मारे वे सातों परियां कुएं से बाहर आई और शेख चिल्ली से विनती करने लगी कि वह उन्हें न खाए।

परियों ने शेख चिल्ली से कहा हमें मत खाओ। हम तुम्हें एक जादुई घड़ा देंगे। उस घड़े से तुम जो भी मुराद मांगोगे वह पूरी हो जाएगी। शेख चिल्ली ने परियों से जादुई घड़ा लिया और फिर वापस अपने घर आ गया। घर पहुंचकर उसने अपनी मां को परियों वाली बात बताई। मां यह सब सुनकर हैरान थी। उसने सोचा क्यों न परियों द्वारा दिए गए जादुई घड़े को आजमा कर देखा जाए। मां ने घड़े से ढेर सारे पकवान की इच्छा मांगी। इतना कहते ही उनके सामने तरह-तरह के पकवान थालियों में सज गए। दोनों से उस रात भरपेट खाना खाया। इसके बाद शेख चिल्ली की मां ने उस जादुई घड़े से ढेर सारा धन मांगा और दोनों अमीर हो गए। यह सब देखकर शेख चिल्ली की मां बहुत खुश थी, लेकिन उसके मन में डर था कि गांव वाले उसके मूर्ख बेटे से उनके अमीर होने का राज न उगलवा लें।

तभी शेख चिल्ली की मां को एक तरकीब सूझी। वह बाजार गई और ढेर सारे बताशे खरीद लाई। फिर घर के छप्पर पर चढ़कर उनकी बारिश करने लगी। छप्पर से बताशे की बरसात देखकर शेख चिल्ली खूब खुश हुआ। उसे लगा ऐसा उस घड़े की वजह से हो रहा है। उसने ढेर सारे बताशे खाए। अमीर बनने के बाद शेख चिल्ली व उसकी मां के रहने के तौर-तरीके भी बदल गए, जिसे कुछ ही दिनों में गांव के लोगों ने भांप भी लिया। गांव के लोग सोचने लगे कि अचानक ये इतने अमीर कैसे हो गए। गांव के कुछ लोग शेख चिल्ली की मां के पास गए और पूछने लगे आखिर उन लोगों के पास इतने सारे धन कहां से आए। गावं वाले की बात सुनकर शेख चिल्ली मां ने कुछ नहीं बताया, तो उन्होंने सोचा कि चलो सीधा मूर्ख शेख चिल्ली से ही पूछ लिया जाए।

एक दिन मौका मिलते ही गांव के लोगों ने शेख चिल्ली को बुलाया और उससे पूछा कि आज-कल तुम्हारे रंग-ढंग कैसे बदल गए हैं। इस पर शेख चिल्ली ने उन्हें परी और जादुई घड़े वाली सारी बात बता दी। शेख चिल्ली की बात सुनकर गांव वाले उसके घर पर गए और जादुई घड़ा दिखाने के लिए कहने लगे। इस पर शेख चिल्ली की मां ने कहा कि उनके पास ऐसा कोई घड़ा नहीं है।

मां ने कहा तुम लोग तो जानते ही हो कि मेरा बेटा मूर्ख है। यह तो दिन में भी सपने देखता है। यह सुनकर शेख चिल्ली ने जोर देते हुए कहा मां याद करो, मैंने तुम्हें ही वो जादुई घड़ा दिया था। क्या तुम भूल गई? उसी घड़े से तो हमने रात में ढेर सारे पकवान खाए थे और फिर हमारी छप्पर से बताशे की बारिश भी तो हुई थी। यह सुनकर उसकी मां ने हंसते हुए कहा लो अब बताओ कोई, भला छप्पर से भी कहीं बताशे की बारिश होती है? अब गांव वालो को भी शेख चिल्ली की मां की बातों पर यकीन हो गया था। उन्होंने मान लिया कि शेख चिल्ली ने कोई सपना देखा होगा और उन्हें कोई मनगढ़ंत कहानी सुना रहा होगा और सभी अपने-अपने घर वापस चले गए। कहानी से सीख मूर्ख लोगों की सच बात पर भी कोई यकीन नहीं करता है। इसलिए, उम्र व जरूरत के अनुसार खुद की कमियों को दूर करना चाहिए और होशियारी का हुनर सीखना चाहिए।

वीर गाथा

दुश्मन को रोकने के लिए अडिग चट्टान बन गए 'हनुमान भक्त' जदुनाथ सिंह

परमवीर जदुनाथ सिंह का नाम देश के अमर शहीदों में शामिल है। उन्होंने भारत माता की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए, लेकिन पाकिस्तान के नापाक इरादों को कामयाब नहीं होने दिया। नायक जदुनाथ सिंह का जन्म 21 नवंबर, 1916 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के खजूरी गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम बीरबल सिंह राठौड़ था, जो किसान थे। उनकी माता का नाम यमुना कंवर था।

जदुनाथ सिंह खेती के कार्य में अपने पिता का हाथ बंटाया करते थे। इसके अलावा उन्हें कुश्ती का बहुत शौक था। वे अपने गांव के कुश्ती चैंपियन माने जाते थे। अपने उज्ज्वल चरित्र और भक्तिभाव के कारण जदुनाथ सिंह 'हनुमान भक्त' के नाम से भी प्रसिद्ध थे।

जदुनाथ सिंह 21 नवंबर, 1941 को फतेहगढ़ रेजिमेंटल सेंटर में सेना की 7वीं राजपूत रेजिमेंट में भर्ती हुए। प्रशिक्षण के लिए उन्हें प्रथम बटालियन में तैनात किया गया। साल 1947 में जब देश आजाद हुआ तो खुशियों के साथ ही हमें बंटवारे का घाव भी मिला।

भारत का नया पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान नफरत से भरा हुआ था और यही इसकी बुनियाद भी थी। उसका इरादा था कि किसी भी तरह जम्मू-कश्मीर पर कब्जा कर लिया जाए। जदुनाथ सिंह यहां टैनधार में अपनी टुकड़ी का नेतृत्व कर रहे थे। सामरिक दृष्टि से यह स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। इस पर पाक की नजरें थीं।

यहां जदुनाथ सिंह और उनकी टीम ने दुश्मन को भरपूर जवाब दिया और उसे पीछे हटना पड़ा। मात खाने के बाद दुश्मन ने दोबारा हमला किया। इस दौरान जदुनाथ और उनके साथी घायल हो गए। 6 फरवरी, 1948 को दुश्मन का तीसरा हमला हुआ। गंभीर रूप से घायल जदुनाथ सिंह ने अपनी जान की परवाह नहीं, बल्कि अपने एक घायल सिपाही से स्टेनगन ली और दुश्मन पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी।

इस हमले से दुश्मन को भारी नुकसान हुआ। दोनों ओर से गोलीबारी हो रही थी। तभी एक गोली आकर जदुनाथ सिंह के सिर में लगी और वे शहीद हो गए। जदुनाथ सिंह आखिरी सांस तक दुश्मन पर प्रहार करते रहे और उसे आगे नहीं बढ़ने दिया। तब तक सेना की एक और टुकड़ी पहुंच गई। इस तरह पाक का हमला विफल कर दिया गया। जदुनाथ सिंह को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अभियान

भुवनेश्वर में सरकारी नर्सिंग प्रशिक्षण एएनएम छात्र शनिवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान पर मार्च निकाला।

ठंड आने के साथ ही रूस के साथ युद्ध नए चरण में है : जेलेंस्की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खारकीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि सर्दियों की शुरुआत हो गई है तथा इस मौसम में युद्ध के और जटिल होने के अनुमान के साथ ही यह एक प्रकार से नए चरण में है। जेलेंस्की ने साथ ही कहा कि यूक्रेन हार नहीं मानेगा। उन्होंने पूर्वोत्तर यूक्रेन के खारकीव में 'एसोसिएटेड प्रेस' के साथ बृहस्पतिवार को एक विशेष साक्षात्कार में कहा, यह युद्ध का नया चरण है। अगर देखा जाए तो सर्दी अपने आप में ही युद्ध का नया चरण है। यह पूछे जाने पर कि क्या अभी तक जवाबी कार्रवाई में अपेक्षित परिणाम मिल पाए हैं, जेलेंस्की ने काफी जटिल उत्तर दिया। उन्होंने कहा, देखिए हम हार नहीं मानेंगे। मैं संतुष्ट हूं। हम दुनिया की दूसरी (सर्वश्रेष्ठ) सेना के साथ लड़ रहे हैं। उनका इशारा रूस की सेना की ओर था।

जेलेंस्की ने कहा, हम लोगों को खो रहे हैं। इस बात से मैं संतुष्ट नहीं हूं। हमें वे सारे हथियार नहीं मिले जो हम चाहते थे, इसलिए मैं संतुष्ट नहीं हो सकता लेकिन मैं ज्यादा शिकायत भी नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस बात का डर है कि इजराइल-हमास युद्ध का असर यूक्रेन संघर्ष पर भी पड़ सकता है तथा प्रतिस्पर्धी राजनीतिक एजेंडे और सीमित संसाधनों के कारण कीव को पश्चिमी देशों से मिलने वाली सैन्य सहायता प्रभावित हो सकती है।

रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद यूक्रेन को अपना बचाव करने तथा जवाबी कार्रवाई के लिए लाखों डॉलर और हथियारों के रूप में पश्चिमी सैन्य सहायता प्रदान की गई है लेकिन लंबे वक्त से जारी संघर्ष का अभी कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। यूक्रेन के अधिकारियों को इस बात की चिंता है कि आगे भी ऐसी ही मदद मिल पाएगी या नहीं। यूक्रेन के पास गोला-बारूद का भंडार कम होता जा रहा है, जिससे यूक्रेनी युद्ध की धार कुंद होने का खतरा है। ठंड शुरू होने से सैन्य नेतृत्व को नयी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, हालांकि इन चुनौतियों का सामना वे पूर्व में भी कर चुके हैं। हाड़ जमा देने वाली ठंड और बंजर मैदान सैनिकों के काम को और भी जटिल बना देते हैं। इसके अलावा रूस की ओर से शहरों को निशाना बनाकर हवाई हमले तेज किए जाने का खतरा है। मॉस्को ने 25 नवंबर को अपना सबसे व्यापक ड्रोन हमला शुरू किया जिसमें ईरान निर्मित 75 ड्रोन ने कीव को निशाना बनाया था।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन को सहयोगियों से सभी आवश्यक हथियार नहीं मिले और उसके सीमित सैन्य बल के कारण लड़ाई तेज नहीं हो पाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, अपेक्षित परिणाम तेजी से पाने के लिए पर्याप्त ताकत नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम हार मान लें या आत्मसमर्पण कर दें। हम उसके लिए लड़ रहे हैं जो हमारा है।

मुलाकात

सोफिया में केंद्रीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने शनिवार को बुल्गारिया की पर्यटन मंत्री जरीत्सा डिंकोवा, सोफिया से मुलाकात की।

भोपाल गैस त्रासदी की याद जीवित बचे लोगों को एक भयंकर सपने की तरह करती है परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी में दो दिसंबर 1984 की सर्द रात को यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव ने न केवल यहां हजारों लोगों की जान ले ली थी, बल्कि त्रासदी के 39 साल बाद भी यह जीवित बचे लोगों को एक भयंकर सपने की तरह याद है। इस हादसे के बाद यह कारखाना बंद किया जा चुका है। दो और तीन दिसंबर, 1984 की मध्यरात्रि को कीटनाशक कारखाने से जहरीली गैस के रिसाव के बाद कम से कम 3,787 लोग मारे गए और पांच लाख से अधिक लोग शारीरिक रूप से प्रभावित हुए। गैस पीड़ित और रेलवे के सेवानिवृत्त मुख्य आरक्षण अधीक्षक महेंद्रजीत सिंह (79) ने शनिवार को पीटीआई-भाषा को बताया, हादसे वाली दो दिसंबर की रात को मैं डर से कांप उठा। मैंने उस ठंडी रात में लोगों को मरते हुए देखा था। उस भयावह रात को याद करते हुए, सिंह ने कहा, उस रात लगभग दो बजे मेरा परिवार सो रहा था, जब यूनियन कार्बाइड कारखाने से कुछ ही दूरी पर स्थित रेलवे कॉलोनी में लोगों की चीख-पुकार ने हमें जगाया। हम घर से बाहर भागे और कारखाने से निकलने वाली गैस से बचने के लिए स्कूटर से और पैदल भागे।

ऑल इंडिया रिटायर रेलवेमेन फेडरेशन वेस्टर्न ज़ोन के अध्यक्ष सिंह ने कहा, उनके परिवार ने उनके घर से चार किमी दूर एक होटल में रात बिताई। कुछ साल बाद, सिंह ने अपनी मां और छोटे भाई को खो दिया जो जहरीली गैस के संपर्क में आए थे। उन्होंने कहा, 'गैस रिसाव के तीन दिन बाद, मैंने देखा कि हमारे घर के पास एक पीपल के पेड़ की पत्तियां गिर गई थीं और वह मृत और बेजान दिखाई दे रहा था।' उन्होंने कहा कि शहर के अन्य हिस्सों में भी पेड़-पौधों पर जहरीली गैस का असर देखा गया। सिंह ने कहा, त्रासदी के बाद, ऐसी अफवाहें थीं कि फैक्ट्री से बची हुई जहरीली गैस निकलेगी।

ऐसी अपुष्ट खबरों को देखते हुए हमने पड़ोसी होशंगाबाद जिले में शरण ली। पूर्व रेलकर्मी ने कहा कि उन्होंने इस त्रासदी में अपने कई सहयोगियों को खो दिया है और जो बच गए, वे बीमारियों, विशेषकर सांस लेने की समस्याओं के साथ जी रहे हैं।

भारत भविष्य पर नजर ही नहीं रख रहा, बल्कि उसे संवार भी रहा : कांबोज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत की राजदूत ने कहा कि विश्व की सर्वाधिक युवा आबादी वाला भारत प्रभावशाली तरीके से भविष्य को संवार रहा है और इसके युवा संपोषणीय विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में प्रगति के लिए प्रौद्योगिकी का एक प्रभावी उपकरण के तौर पर उपयोग कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रूचिरा कंबोज ने '1एम1बी सक्रिय प्रभाव सम्मेलन' में अपने विशेष संबोधन में कहा कि भारत वास्तव में युवाओं की 'परिवर्तनकारी शक्ति' में विश्वास करता है। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा , हमारा मानना है कि एसडीजी को 2030 तक हासिल करने की राह हमारी युवा जनसंख्या की ऊर्जा, सृजनशीलता और नवोन्मेष से होकर गुजरती है। उन्होंने कहा, भारत में दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी है जो अनोखी बात है। इसलिए, हम केवल भविष्य पर नजर ही नहीं रखे हुए हैं, बल्कि उसे संवार भी रहे हैं। कंबोज ने कहा कि संपोषणीय विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में प्रगति के लिए प्रौद्योगिकी का एक प्रभावी उपकरण के तौर पर उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संपोषणीय कृषि से लेकर स्वास्थ्य नवोन्मेष तक इस बात के 'चमकते उदाहरण' हैं कि कैसे प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल भलाई के लिए तथा चुनौतियों को अवसरों में तब्दील करने में किया जा सकता है।

यह संगठन डिजिटल कौशल निर्माण, बदलाव , उद्यमिता को लेकर प्रतिबद्ध है तथा वह भारत में युवाओं को कृत्रिम मेधा, 'ग्रीन स्किल्स' , उद्यमिता, डिजिटल नागरिकता, 'ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर)', 'वर्चुअल रियलिटी', एवं अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित करने की कोशिश में जुटा है।

अबतक 500,000 विद्यार्थी 1एम1बी के कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सातवें 1एम1बी सक्रिय प्रभाव सम्मेलन में करीब 50 भारतीय किशोरों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

पूजा

गुवाहाटी में शुक्रवार को मां कामाख्या मंदिर में भक्तों ने दीये जलाते हुए।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा सालार का ट्रेलर, दर्शकों में जबरदस्त उत्साह

मुंबई/एजेन्सी

इंतजार की घड़ियाँ समाप्त हुईं और वर्ष 2023 की आखिरी ब्लॉकबस्टर फिल्म का ट्रेलर आज दर्शकों के सामने आया। यह था निर्देशक प्रशांत नील निर्देशित और अभिनेता प्रभास अभिनीत फिल्म सालार का ट्रेलर जिसने जारी होते ही दर्शकों को अपने मोहपाश में बांधने में सफलता प्राप्त कर ली है। 3 मिनट 47 सैकण्ड के इस ट्रेलर ने दोस्ती की नई परिभाषा दर्शकों के सामने रखी है। इस फिल्म को देखने के बाद यह तय है कि दर्शक दोस्ती पर आई अब तक की सभी फिल्मों को भूल जाएंगे। यह फिल्म सिने इतिहास का एक और माइनस्टोन साबित होगी।

निर्देशक प्रशांत नील दर्शकों को इससे पहले केजीएफ सीरीज दे चुके हैं और सालार को देखते हुए दर्शकों के जेहन में केजीएफ जरूर घूमेगी। इसे भी प्रशांत नील ने धूसर रंगों में फिल्माया है। ट्रेलर में एक मात्र रंगीन दृश्य श्रुति हासन की झलक के रूप में सामने आया है। सालार के ट्रेलर से स्पष्ट झलक मिलती है कि यह दर्शकों के सामने एक्शन की नई इबारत लिखने में सफल होगी। फिल्म का बैकग्राउण्ड म्यूजिक अपनी अलग छाप छोड़ता है। फिल्म 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें प्रभास के साथ श्रुति हासन, पृथ्वीराज सुकुमारन और जगपति बाबू जैसे कलाकार नजर आएंगे।

ये फिल्म तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में प्रदर्शित की जाएगी। ट्रेलर में प्रभास का धांसू अवतार देखने को मिल रहा है। प्रभास 'देवा' नाम का किरदार निभा रहे हैं। उनके साथ-साथ ट्रेलर में पृथ्वीराज भी काफी जबरदस्त लग रहे हैं। एक सीन में श्रुति भी नजर आईं। 'बाहुबली' से पैन इंडिया एक्टर बने प्रभास लंबे समय से 'सालार' को लेकर छाए हुए हैं। जुलाई में जब इस फिल्म का टीजर सामने आया था तो लोगों ने उसे खूब पसंद किया था और तब से इसके ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। ये फिल्म 'केजीएफ' के मेकर्स की तरफ से बनाई गई है। 'सालार' का प्रोडक्शन होम्बले फिल्म्स के बैनर तले हुआ है और इसी ने 'केजीएफ' को भी प्रोड्यूस किया था। इसके अलावा इसे भी 'केजीएफ' फेम प्रशांत नील ने ही डायरेक्ट किया है। 'सालार' 22 दिसंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। उसी समय शाहरुख खान की 'डंकी' भी रिलीज हो रही है।

पूजा-अर्चना

ग्वालियर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और नरोत्तम मिश्रा के साथ रविवार को ग्वालियर में पीतांबरा पीठ में मां पीतांबरा की पूजा-अर्चना की।

'भूल भुलैया 3' के लिए कार्तिक आर्यन को किया गया फाइनल

मुंबई/एजेन्सी

हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'भूल भुलैया' की तीसरी इंस्टॉलमेंट का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है। खबर है कि मशहूर एक्ट्रेस तब्बू इस फिल्म से बाहर हो गई हैं। हालांकि, इसमें कितनी सच्चाई है, इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। 2022 में रिलीज हुई 'भूल भुलैया 2' ने एक बड़ी सफलता हासिल की थी। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था और यह अक्षय कुमार की 2007 की फिल्म 'भूल भुलैया' का सीक्वल थी। कार्तिक ने फिल्म के सीक्वल में रूह बाबा की भूमिका निभाई, जिसमें तब्बू डबल रोल्स में थी। सूत्रों ने साझा किया कि स्क्रिप्ट फाइनल होने के बाद ही अन्य प्रतिभाओं को चुना जाएगा। सूत्र ने कहा, रूह बाबा के रूप में कार्तिक आर्यन एकमात्र अभिनेता हैं, जिनकी पुष्टि की गई है और अभी तक किसी अन्य अभिनेता की पुष्टि नहीं की गई है। यह भी बताया गया कि मोटी रकम की पेशकश के बावजूद तब्बू उस भूमिका को लेने के लिए उत्सुक नहीं थीं, लेकिन वास्तविक तस्वीर दावे से बहुत दूर है। सूत्र ने आगे उल्लेख किया, कहानी को अंतिम रूप देने के बाद, वे स्क्रिप्ट की मांग के अनुसार अभिनेताओं को बोर्ड पर लाएंगे, वर्तमान में अभिनेताओं के कुछ नाम चर्चा में हैं, जिनकी पुष्टि नहीं हुई है क्योंकि हमने अभी तक अभिनेताओं पर विचार नहीं किया है।

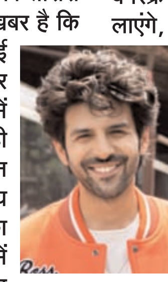

'भूल भुलैया 2' एक बड़ी व्यावसायिक सफलता साबित हुई और कार्तिक के स्टारडम को आगे बढ़ाया। इस बीच, कार्तिक को आखिरी बार 'सत्यप्रेम की कथा' में देखा गया था जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। वह अगली बार कबीर खान की जीवनी पर आधारित फिल्म 'चंदू चैंपियन' में नजर आएंगे। इसके अलावा वह करण जौहर के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं जिसका निर्देशन संदीप मोदी करेंगे। दूसरी ओर, तब्बू आखिरी बार विशाल भारद्वाज की जासूसी थ्रिलर 'खुफिया' में नजर आई थीं। वह अगली बार अजय देवगन के साथ 'औरों में कहां दम था' और करीना कपूर खान और कृति सेनन के साथ 'द क्रू' में नजर आएंगी।

कैटरीना कैफ को पसंद आयी पति विक्की कौशल की फिल्म 'सैम बहादुर'

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ को अपने पति विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर बेहद पसंद आयी है। देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर फिल्म सैम बहादुर बनायी गयी है। इस फिल्म में सैम मानेकशॉ का किरदार विक्की कौशल ने निभाया है। सैम बहादुर फिल्म का निर्देशन मेघना गुलज़ार ने किया है। इस फिल्म को रॉनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है।यह फिल्म आज रिलीज हो गयी है। विक्की कौशल की पत्नी कैटरीना कैफ को सैम बहादुर पसंद आयी है। कैटरीना ने इंस्टाग्राम पर सैम बहादुर का एक पोस्टर शेयर करते हुए लंबा कैप्शन लिखा है। कैप्शन में कैटरीना कैफ ने लिखा, सैम बहादुर, मेघना गुलज़ार इतनी काव्यात्मक खूबसूरत क्लासिक फिल्म है, जो हमें दूसरे युग में ले जाती है। आप उनकी कहानी को बताने का जुनून और हर शॉट में विस्तार पर ध्यान देख सकते हैं। और सैम !!! ग्रेस, वीरता, धैर्य क्या परफॉर्मेंस है, फ्लॉलेस, मैं हैरान हूं, आप बहुत प्रेरणादायक हैं, अपनी कला के प्रति बेहद शानदार अलग तरीके से सच्चे हैं। आपको स्क्रीन पर अपनी चमक बिखेरते हुए देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। मैंने पिछले साल आपको खुद को इस फिल्म में ढ़ालते और सैम में बदलते देखा है। याद रखा जाने वाला परफॉर्मेंस विक्की कौशल। रॉनी स्क्रूवाला और आरएवीपी मूवीज को बधाई।इस पोस्ट को शेयर करते ही विक्की कौशल ने रिएक्शन देते हुए लिखा, आप मेरी सुपरपॉवर हैं। और हार्ट इमोजी शेयर किया है।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्ट में शेरोन स्टोन ने की रणवीर सिंह की प्रशंसा

मुंबई/एजेन्सी

रेड सी इंटरनेशनल फेस्टिवल में प्रतिष्ठित युसर अवॉर्ड से सम्मानित बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की हॉलीवुड स्टार शेरोन स्टोन ने जमकर प्रशंसा की। स्टोन ने कहा, यहां आने से पहले मुझे रणवीर से मिलकर बहुत खुशी हुई, वह कितने अच्छे इंसान हैं।'' पिछले साल रेड सी युसर पुरस्कार बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान को प्रदान किया गया था। स्टोन ने अभिनय के प्रति रणवीर के जुनून पर जोर दिया। एक सपना जो उन्होंने बचपन से देखा है। एक महत्वाकांक्षी अभिनेता से बॉलीवुड के राजघराने तक का उनका सफर न केवल उनके समर्पण बल्कि उनकी निर्विवाद प्रतिभा को भी दर्शाता है। स्टोन ने कहा, ''रणवीर सिंह एक विश्व प्रसिद्ध बॉलीवुड स्टार और स्टाइल आइकन हैं। वह 5 फिल्मफेयर पुरस्कारों सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित हैं। उनकी सफलता के बाद से जैसा कि आपने देखा है, वह परिवर्तन के स्वामी हैं, उन्होंने खुद को असंख्य पात्रों में डुबो दिया है, जिन्होंने एक अभिनेता के रूप में उनकी असाधारण रेंज का प्रदर्शन किया है।'' उन्होंने आगे कहा, ''चाहे वह 'बैंड बाजा बारात' में उनका करिश्माई और प्रिय बिटू शर्मा हो, पद्मावत में क्रूर और प्रतिशोधी खिलजी हो या गली बॉय में उत्साहित और प्रेरणादायक रैपर मुराद हो, जिसके लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता है, रणवीर हर भूमिका में जान डाल देते हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''गली बॉय में अपनी भूमिका के बाद उन्होंने अपने स्वयं के रिकॉर्ड लॉन्च किए, जिससे पता चला कि वह वास्तव में एक रचनात्मक प्रतिभा हैं। एक और प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने के लिए मंच पर उनका स्वागत करते हुए मुझे सच्ची खुशी हो रही है।'

'मैरी क्रिसमस' को सबसे मुश्किल फिल्म मानती है कैटरीना कैफ

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ फिल्म मैरी क्रिसमस को अपने करियर की सबसे मुश्किल फिल्म मानती हैं। कैटरीना कैफ ने विजय सेतुपति के साथ फिल्म मैरी क्रिसमस में काम किया है। मैरी क्रिसमस का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। कैटरीना कैफ ने कहा,मुझे विजय सेतुपति के साथ मैरी क्रिसमस में काम करने का मौका मिला। यह बहुत खूबसूरत था। यह मेरे करियर की अब तक की सबसे कठिन फिल्म है। उस कैरेक्टर ने मेरे अंदर से काफी कुछ बाहर निकाला है और अनुभव शानदार रहा है।

मैरी क्रिसमस द्विभाषी फिल्म है। हमने फिल्म को हिंदी और तमिल में शूट किया। मैंने तमिल वर्जन के लिए तमिल में शूटिंग किया। ऐसे में दो-दो बार शूट करना होता था। इसलिए यह मुश्किल था, लेकिन रोमांच से भरा था। मेरे को-स्टार विजय सेतुपति बहुत अद्भुत हैं। जब हम हिंदी शूट करते थे तो वह शानदार होते थे, लेकिन जब हम तमिल में शूट करते थे तो वह एक अलग अभिनेता बन जाते थे।फिल्म 'मैरी क्रिसमस' 12 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवनयापन और जीवन-लक्ष्य दो भिन्न बातें हैं। प्रायः सामान्य लोगों का जीवन-लक्ष्य जीवनयापन ही रहता है। खाना-कमाना, ब्याह- शादी, लेन-देन, व्यवहार-व्यापार आदि साधारण क्रमों को पूरा करते हुए मृत्यु तक पहुंच जाना, बस इसके अतिरिक्त उनका और कोई लक्ष्य नहीं होता। एक जीविका का साधन जुटा लेना, एक परिवार बसा लेना और बच्चों का पालन-पोषण करते हुए शादी-ब्याह आदि कर देना मात्र ही साधारणतया लोगों ने जीवन-लक्ष्य मान लिया है। मीठे फल खाने की इच्छा से दो मित्र एक बगीचे में गए।

मिट्टी ही परम एकीकरणकर्ता है : सद्गुरु

दुबई में सीओपी28 के उद्घाटन सत्र में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कायेम्बटूर। शुक्रवार को दुबई में सीओपी28 के उद्घाटन सत्र के मौके पर मिट्टी बचाओ आंदोलन के संस्थापक सद्गुरु ने सत्र में भाग लिया। इस मौके पर ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक, भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको विडोडो, संयुक्त अरब अमीरात के जलवायु मंत्री सहित कई विश्व नेता उपस्थित थे। परिवर्तन और पर्यावरण महामहिम मरियम अल्महेरी, इटली के प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन उपस्थित थे।

सद्गुरु ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हैं, आप क्या मानते हैं, या आप किस स्वर्ग में जाएंगे, हम सभी एक ही मिट्टी से आते हैं, हम एक ही मिट्टी खाते हैं, और जब हम मरेंगे, तो हम उसी में वापस जाएंगे मिट्टी। मिट्टी परम एकीकरणकर्ता है! सद्गुरु ने सीओपी28 के फेथ पैविलियन में अपने उद्घाटन भाषण में कहा, आस्था नेता मिट्टी के पुनरोद्धार नीतियों को लागू करने के लिए लोगों और नीति निर्माताओं को प्रभावित करने और प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

भावी पीढ़ी के शिक्षकों के आवश्यक गुण पर कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां शिक्षण संबंधी समस्याओं का समाधान करने एवं शिक्षण की विशिष्ट क्षमताओं का विकास करने के उद्देश्य से 2 दिसम्बर को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका विषय था भावी पीढ़ी के शिक्षकों के आवश्यक गुण। कार्यशाला की शुरुआत प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की वंदना से की गई। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि जीएसएस जैन विद्यालय के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रिंसिपल एवं सीएसएससी. के पूर्व सचिव आर. वर्धराजन ने अपना बहुमूल्य समय देकर सभी शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। विद्यालय की प्रिंसिपल सी. विजयलक्ष्मी ने अपने भाषण द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया।

विद्यालय की संयुक्त पत्राचारक शालिनी अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर, सचिव मुरारीलाल सोंथालिया ने शॉल ओढाकर तथा पत्राचारक एनके सिंघला ने स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया। प्रिंसिपल ने विद्यालय के सभी पदाधिकारियों को, तथा संयुक्त पत्राचारक शालिनी अग्रवाल ने विद्यालय की प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी, दयासदन विद्यालय की प्रधानाचार्या शशिकला राजेश, उप प्रधानाचार्य लताबालू को एवं अन्य सभी विद्यालयों से आए प्रधानाचार्य तथा उप प्रधानाचार्य को पुष्प गुच्छ प्रदान कर उनका सम्मान किया।

इस कार्यशाला में सिर्फ अग्रवाल विद्यालय के शिक्षकगण ही नहीं अपितु चेन्नई के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालय दयासदन अग्रवाल विद्यालय, मोतीलाल फोमरा, कन्यालाल अग्रवाल विद्यालय, शक्ति पब्लिक स्कूल, सनातन धर्म आदि के शिक्षकगणों भी सम्मिलित होकर इसका लाभ उठाया।

प्रेरणास्रोत आर.वर्धराजनने आमंत्रण के लिए विद्यालय को तहे दिल से धन्यवाद किया एवं विभिन्न प्रकार के उदाहरण देते हुए रुचि पूर्ण ढंग से सभी शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षक को सदैव अध्ययनरत रहना चाहिए ताकि भविष्य के छात्रों को सम्मिलित करने के लिए साधन संपन्न बन सके। उन्होंने कहा कि हमें सदैव अपने समाज से, अपने आसपास के वातावरण से व दूसरों के अनुभव से हमेशा खुले दिमाग एवं हर संभव तरीके से नई-नई चीज़े सीखते रहने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि एक अध्यापक होने के नाते छात्रों को सही शिक्षा प्रदान करना ही हमारा प्रथम कर्तव्य है। छात्रों को उनकी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार रोचक ढंग से शिक्षा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाकर छात्रों के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए ताकि वे आसानी से उसे ग्रहण सके।

पत्राचारक एनके सिंघला ने भी अपने प्रेरक शब्दों से सभी का उत्साहवर्धन किया। इस उपयोगी और महत्वपूर्ण कार्यशाला के आयोजन के लिए विद्यालय के अध्यक्ष मधुसूदन खेमका, सचिव मुरारी लाल सोंथालिया एवं पत्राचारक नरेंद्र कुमार सिंगला व सभी समिति सदस्यों का हृदय से आभार प्रकट करते हैं। धन्यवाद ज्ञापन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष जयंती ने किया।

जीवन में कोई सुनिश्चित लक्ष्य धारण करें : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजमान पूज्य आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवनयापन और जीवन-लक्ष्य दो भिन्न बातें हैं। प्रायः सामान्य लोगों का जीवन-लक्ष्य जीवनयापन ही रहता है। खाना-कमाना, ब्याह- शादी, लेन-देन, व्यवहार-व्यापार आदि साधारण क्रमों को पूरा करते हुए मृत्यु तक पहुंच जाना, बस इसके अतिरिक्त उनका और कोई लक्ष्य नहीं होता। एक जीविका का साधन जुटा लेना, एक परिवार बसा लेना और बच्चों का पालन-पोषण करते हुए शादी-ब्याह आदि कर देना मात्र ही साधारणतया लोगों ने जीवन-लक्ष्य मान लिया है। मीठे फल खाने की इच्छा से दो मित्र एक बगीचे में गए। माली ने कहा इस बगीचे के मालिक की आज्ञानुसार यहां एक ही दिन ठहर सकते हो, सो शाम तक जितने फल खा सकते हो, खा लो। दोनों अपनी रुचि के फल खाने चल दिए। एक ने पेट भरकर फल खाए। दूसरा देखता रहा, पौधों के लिए कैसी मिट्टी चाहिए? पानी कैसे लगाया जाए? शाम तक उसने एक नया बगीचा लगाने की सारी बातें जान लीं, फल एक भी नहीं खायाघर जाकर दूसरा बाग लगा लिया। यह संसार भी ऐसा ही है। मनुष्य यहां एक निश्चित अवधि के लिए आता है, जो सांसारिक आकर्षणों में पड़े हैं, वे तो पहले युवक की भांति हैं। समझदार वे हैं, जो दूसरे की तरह परिस्थितियों का अध्ययन कर जीवन का सच्चा लक्ष्य प्राप्त करते हैं वस्तुतः यह जीवनयापन की साधारण प्रक्रिया मात्र है, जीवन-लक्ष्य नहीं। जीवन-लक्ष्य उस सुनिश्चित विचार को ही कहा जाएगा, जो संसार के साधारण कार्यक्रम से कुछ अलग, कुछ ऊंचा हो और जिसे पूरा करने में कुछ अतिरिक्त पुरुषार्थ करना पड़े। जीवन में कोई सुनिश्चित लक्ष्य, कुछ विशेष ध्येय-धारणा करके चलने वाले को असाधारण व्यक्तियों की कोटि में रखा जाता है, उनकी विशेषता तथा महानता केवल यही होती है कि परंपरा से हटकर साधारण जीवन के अभ्यस्त व्यक्तियों में से उन्होंने आगे बढ़कर, कुछ असामान्यता ग्रहण की है। लोग उनको महान इसलिए मान लेते हैं कि सामान्य लोग समझी-बुझी तथा एक ही लीक पर चली जा रही जीवन गाड़ी में न जाने कितनी दुःख-तकलीफें अनुभव करते हैं, तब उस व्यक्ति ने एक अन्य, अनजान एवं असामान्य मार्ग चुना है। उसका साहस एवं कष्ट-सहिष्णुता कुछ अधिक बढ़ी-चढ़ी है।

जीवनयापन की साधारण प्रक्रिया को भी यदि एक असामान्य दृष्टिकोण से लेकर चला जाए तो वह भी एक प्रकार का जीवन- लक्ष्य बन जाता है।

रेलवे की अनेक ट्रेनें हुई रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी के ऊपर हवा का गहरा दबाव बन रहा है जिसके चक्रवाती तूफान में तब्दील होने के पूरे आसार है। जिससे उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी बारिश हो सकती है। चक्रवाती तूफान पांच दिसंबर की दोपहर को आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और मछलीपट्टनम तटों को पार कर जाएगा। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर हवा का गहरा दबाव बनने से यह पिछले छह घंटों के दौरान 17 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है।

इस तूफान के मद्देनजर दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण रेलवे ने अनेक ट्रेनों को रद्द कर दिया। कई ट्रेनें तीन दिन के लिए रद्द कर दी गई हैं। तमिलनाडु और आन्ध्रप्रदेश में आ रहे इस तूफान के चलते इस क्षेत्र से गुजरने वाली दक्षिण पश्चिम रेलवे की अनेक ट्रेनें भी रद्द हो गई हैं। ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों से आग्रह किया गया है कि वह यात्रा के रूप ट्रेनों की स्थिति की जानकारी लेकर ही यात्रा पर निकलें। विजयवाड़ा की ओर से जाने वाली ज्यादातर ट्रेनों को रद्द किया गया है।

विरासत सहेजने में अहिंसा वॉक का कार्य प्रशंसनीय : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शसुन जैन कॉलेज में जैनविद्या विभाग के शोध-प्रमुख डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि तमिलनाडु में कई स्थानों पर जैन संस्कृति की उपेक्षित प्राचीन विरासत को विधिपूर्वक सहेजने में 'अहिंसा वॉक' (अहिंसै नड़ैय) के जरिये प्रशंसनीय कार्य हो रहा है। पिछले दिनों कडलूर जिले के मुखासापरुर में 87वें अहिंसा वॉक के अंतर्गत यहां प्राप्त लगभग हजार वर्ष पुरानी उपेक्षित तीर्थंकर प्रतिमा को ग्राम के बाहर पीपल के पेड़ के नीचे चबूतरा बनाकर स्थापित किया गया। इसमें स्थानीय जनता ने भी उत्साह से भाग लिया। इस पर डॉ. धींग ने अहिंसा वॉक के संस्थापक ए. श्रीधरन और अध्यक्ष डॉ. एन कनक अजितदास को धन्यवाद दिया कि वे पुरा महत्व की प्रतिमाओं का संरक्षण पुरातत्व विभाग के नियमों के अनुसार करते हैं और स्थानीय जनता को उससे जोड़ते हैं। 87वें अहिंसा वॉक में राजकीय कला महाविद्यालय, विल्लुपुरम के इतिहास प्रोफेसर डॉ. रमेश और 22 विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भी भाग लिया। कोषाध्यक्ष सौधरमेंदिरन ने बताया कि इस अभियान में महिलाएं और बच्चे भी रुचिपूर्वक भाग ले रहे हैं। सचिव एस. धनंजयन ने धन्यवाद दिया।

ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दादा धर्मनाथ मंदिर में शनिवार के दिन ध्वजारोहण कार्यक्रम आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी म. सा. की निश्रा में लाभार्थी शा. एस. कपूरचन्द एण्ड सन्स परिवार के सौजन्य से धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

मैसूरु से संतों को बेंगलूरु की ओर विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शनिवार को आचार्यश्री तीर्थभद्रसूरीश्वरजी म. सा. एवं अन्य संत-साध्वीवृंदों के साथ महावीर भवन से मांगलिक देकर चातुर्मास करके बेंगलूरु की तरफ विहार किया। इस मौके पर महावीर जिनालय पर ट्रस्ट द्वारा गुरुदेवों का सामैया किया गया। आज गुरुदेव के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। आज इसके साथ ही राजस्थान जैन महिला समाज का आँखों का कैंप एवं डायलिसिस का शिविर भी गुरुदेवों की पावन निश्रा में सम्पन्न हुआ। आज महावीर जिनालय के प्रांगण में संतों का मेला लगा। जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, उपाध्यक्ष वसंत जैन, सचिव प्रवीण जैन, खजांची पारस जैन, सह सचिव घेवरचंद जैन, ट्रस्टी हंसराज पगारिया, जयंतीलाल जैन, रमेश जैन, कांतिलाल जैन, भवरलाल जैन, सुमतिनाथ संघ के उपाध्यक्ष टीकमचंद, मुख्य सचिव कांतिलाल गुलेछा, संघ के दलीचंद श्रीश्रीमॉल के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं का हुजूम गुरुदेव के साथ पैदल चले।

मास केक मिक्सिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के वडपलानी में स्थित अबिका एम्पायर होटल में 'एक्स' मास केक मिक्सिंग समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यकारी शेफ रविचन्द्रन ने बताया कि यह केक वास्तव में, यह निश्चित रूप से विशेष स्पिरिट, आयातित अरबी खजूर, बादाम, अखरोट, आलूबुखारा, अंजीर, अदरक के टुकड़े, काजू, किशमिश, ब्लैक करंट, चेरी, सूखे अंगूर, आदि जैसे चयनित फलों और मेवों के साथ एक शानदार स्वाद और फ्लेवर देता है। इस मौके मशहूर हस्तियों के साथ अभिनेता और गायक श्रीमानो और संगीत निर्देशक सिरपी के साथ खाद्य एवं पेय प्रबंधक आदित्य प्रकाश सिंह, होटल अंबिका एम्पायर के महाप्रबंधक आर कलाथिनाथन आदि उपस्थित थे।

'किशोरों का सही मार्गदर्शन जरूरी'

बेंगलूरु। यहां के न्यू गुडदहल्ली स्थित बाबेल निवास में आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ किशोर मंडल की इस सत्र की प्रथम संगोष्ठी का राष्ट्रीय प्रभारी अरविंद पोखरणा की उपस्थिति में आयोजन हुआ।

मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि आज के युग में किशोरों को सही मार्ग से भटकाने के लिए बहुत सारे दोराहें है, इससे हमें उनको बचाने का प्रयास करना है, उनका सही सतत मार्गदर्शन जरूरी है। किशोरों को संगठन से जोड़ना कठिन कार्य है, पर अथक परिश्रम एवं सटीक कार्यशैली से यह संभव है। विजयनगर के किशोरों ने चातुर्मास का अच्छा लाभ लिया। मुनिश्री दीपकुमारजी ने नव मनोनित प्रभारी अरविंद पोखरणा के सफल प्रभार की आध्यात्मिक मंगल कामना प्रेषित की।

इस अवसर पर मुनि काव्यकुमारजी ने किशोरों के रूचियों को ध्यान में रखकर, उनकी ऊर्जा को संगठित करने हेतु निरंतर संवाद एवं कार्यक्रमों की आवश्यकता बताई।

इस अवसर पर तेयुप विजयनगर, किशोरमंडल द्वारा अभातेयुप टीकेएम राष्ट्रीय प्रभारी अरविंद पोखरणा का स्वागत एवं जैनपट द्वारा अभिनंदन किया गया। अरविंद पोखरणा ने विजयनगर में किशोरों को घर-घर पहुंच कर उनको किशोर मंडल से जोड़ने की बात कही। पोखरणा ने अभातेयुप निर्देशित आयामों को हर किशोर तक पहुंचाने की सरल रूप रेखा बताई।

स्वागत वक्तव्य तेयुप विजयनगर अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने दिया, इस अवसर पर जैन संस्कार विधि के राष्ट्रीय सह प्रभारी विकास बांठिया, टीकेएम संयोजक विशाल श्यामसुखा, नमन चावत ने अपने विचार एवं संपादित कार्यों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। आभार सह संयोजक दर्शन बाबेल ने किया। इस अवसर पर किशोर मंडल सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही। संगोष्ठी का संचालन तेयुप मंत्री कमलेश चोपड़ा ने किया।

उड़ीसा के राज्यपाल को सूर्यमंदिर प्राणप्रतिष्ठा में सुनील शर्मा ने किया आमंत्रित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु में निर्माणाधीन सूर्य मंदिर के लाभार्थी सुनील शर्मा द्वारा भारत भ्रमणकर

समाज के सभी वरिष्ठों और महानुभावों को सूर्यमंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह हेतु आमंत्रण के सिलसिले में शनिवार को उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर में राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया गया। राजभवन में उड़ीसा के राज्यपाल रघुवर दास से सुनीलकुमार ने शिष्टाचार भेंट कर उनका माला पहनाकर, शॉल ओढाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने बेंगलूरु में बने सूर्य मंदिर मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में आने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर सुनीलकुमार शर्मा के साथ किशोर शर्मा चेन्नई, अशोक शर्मा चेन्नई, दीपक उपाध्याय, उड़ीसा, शेखर आचार्य, बाबूलाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गोविन्दराजनगर के कर्नाटक हितरक्षण सेना द्वारा आयोजित कर्नाटक राज्य उत्सव एवं लक्ष्मी देवी उत्सव के प्रसंग पर समाजसेवी महेन्द्र मुणोत को शिक्षा के क्षेत्र में एवं गायों की सेवा के लिए 'कर्नाटक सेवा रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इस मौके पर सेना के अध्यक्ष मंजु एवं अन्य सदस्यों ने उन्हें सम्मानित किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.